डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-75 | सांध्य दैनिक | मथुरा, मंगलवार, 12 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

योगी सरकार के सख्त आदेश से अफसरों में खलबली

जनप्रतिनिधियों की अनदेखी पर अफसरों पर होगी कार्रवाई

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में सांसदों और विधायकों के प्रति अफसरों के व्यवहार को लेकर बड़ा और सख्त संदेश प्रदेश सरकार ने दिया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने अक्टूबर 2017 से फरवरी 2026 तक इस संबंध में जारी हुए 15 आदेशों का समेकित हवाला देते हुए नए आदेश जारी किए हैं, जिसके बाद मथुरा समेत पूरे प्रदेश के प्रशासनिक महकमे में हलचल तेज हो गई है। आदेश में साफ कहा गया है कि यदि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी ने जनप्रतिनिधियों का फोन रिसीव नहीं किया, कॉल बैक नहीं किया या प्रोटोकॉल और शिष्टाचार का पालन नहीं किया और जनहित से जुड़े कार्यों के संबंध में अधिकारियों/ कर्मचारियों से

भेंट करते समय अपनी सीट से खड़े होकर यथोचित स्वागत और सम्मान नहीं तो उसके खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार तक लगातार शिकायतें पहुंच रही थीं कि कई विभागों में अफसर सांसदों और विधायकों की कॉल रिसीव नहीं करते, बैठक के नाम पर फोन टाल देते हैं और जनहित के मामलों में अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाते। यही नहीं,

सीयूजी नंबर सेव रखना अनिवार्य

कॉल मिस होने पर तुरंत करना होगा कॉल बैक

प्रोटोकॉल उल्लंघन को माना जाएगा कदाचार

कई मामलों में जनप्रतिनिधियों को कार्यालयों में उचित सम्मान तक नहीं मिल रहा था। इन शिकायतों के विधानसभा, विधान परिषद और संसदीय समितियों तक पहुंचने के बाद शासन ने इसे बेहद गंभीरता से लिया है। अब नए आदेश के अनुसार सभी अधिकारियों को सांसदों और विधायकों के सीयूजी व मोबाइल नंबर अपने फोन में सेव रखना अनिवार्य होगा। यदि किसी कारणवश कॉल रिसीव नहीं हो पाए तो प्राथमिकता के आधार पर तुरंत कॉल बैक करना होगा। इतना ही नहीं, यदि कोई जनप्रतिनिधि कार्यालय पहुंचे तो अधिकारी अपनी सीट से खड़े होकर उनका स्वागत करेंगे, सम्मानपूर्वक बातचीत करेंगे और समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करेंगे।

मथुरा जिले में यह आदेश प्रशासनिक कार्यशैली में बड़ा बदलाव ला सकता है। शासन ने अब स्पष्ट कर दिया है कि प्रोटोकॉल उल्लंघन को यूपी सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली 1956 के तहत कदाचार माना जाएगा। ऐसे में अब अफसरों के लिए जनप्रतिनिधियों की अनदेखी करना आसान नहीं रहेगा।

धर्म विशेष पर रील बनाना पड़ा महंगा, डीजीपी के संज्ञान पर हुई रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, मांट। एक धर्म विशेष के खिलाफ आपत्ति जनक गाने के साथ इंस्ट्राग्राम पर धर्म स्थल के सामने झंडा लहराने का वीडियो वायरल करने पर युवक के खिलाफ डीजीपी के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने कार्रवाई की।

नौ मई को कस्बा में निकाली गई महाराणा प्रताप जयंती की शोभायात्रा के दौरान दूसरे धर्म के एक धर्म स्थल के सामने युवक ने झंडा

पुलिस ने शांतिभंग में किया गिरफ्तार

लहराया और उसकी वीडियो बनवाई, बाद में वीडियो के साथ दूसरे धर्म के प्रति अपमान जनक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाने को वीडियो में जोड़ा और इंस्टाग्राम पर वायरल कर दिया। वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो गया। वीडियो के डीजीपी कार्यालय तक पहुंचने पर संज्ञान लिया गया। इंस्ट्राग्राम आईडी से युवक का नाम पते के बारे में जानकारी की तो पता लगा कि युवक मांट मूला का रहने वाला रिषभ सिंह है। चौकी प्रभारी आकाश चौहान ने उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर शांति भंग में उसका चालान कर दिया है।

रिटायरमेंट के बाद जॉब: नई शुरुआत का सुनहरा मौका

आत्मनिर्भर जीवन जीने का एक स्मार्ट तरीका

सेकंड इनिंग में आत्मनिर्भर जीवन

अनुभव से बनें मेंटर और सलाहकार

नेटवर्किंग से मिलते हैं अवसर

यूनिक समय, मथुरा। रिटायरमेंट के बाद नौकरी करना आज के समय में केवल आर्थिक जरूरत नहीं, बल्कि सक्रिय और आत्मनिर्भर जीवन जीने का एक स्मार्ट तरीका बनता जा रहा है। इसे लोग अपनी "सेकंड इनिंग" के रूप में देख रहे हैं, जहां अनुभव का सही उपयोग करके नई पहचान बनाई जा सकती है।

जो लोग पहले से नेटवर्किंग करते हैं, स्किल शेयरिंग अपनाते हैं और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का सही इस्तेमाल जानते हैं, उनके लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है।

रिटायरमेंट के बाद काम ढूंढने के लिए सबसे जरूरी है कि व्यक्ति पहले से अपने सहकर्मियों, क्लाइंट्स और प्रोफेशनल संपर्कों से जुड़ा रहे। कई कंपनियां अब रिटायर्ड लोगों को मेंटर, कंसल्टेंट और विषय विशेषज्ञ के रूप में जोड़ रही हैं, जहां काम का दबाव कम और अनुभव का उपयोग अधिक होता है।

आज कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ऐसे अवसर प्रदान कर रहे हैं, जहां रिटायर्ड लोग अपनी पसंद का काम आसानी से खोज सकते हैं। जैसे कि अनुभवी प्रोफेशनल्स के लिए कंसल्टिंग और पार्ट—टाइम जॉब्स के लिए विशेष प्लेटफॉर्म उपलब्ध हैं। कुछ

एसके जैन ने बताया कि उन्हें सेवानिवृत हुए सात साल हो गए हैं। वह अपने आपको स्वस्थ रखने के लिए बैंकों से लोगों को लोन तथा हाउसिंग लोन कराते हैं। उनका कहना है कि सेवानिवृत होने के बाद लोग घर पर बैठ जाते हैं, ऐसा करने से लोग अस्वस्थ रहने लगते हैं और जल्दी बीमार हो जाते हैं। वहीं उन्होंने बताया कि वह पैसा कमाने के लालच में नहीं सिर्फ स्वस्थ रहने के लिए काम करते हैं।

बच्चू सिंह ने बताया कि वह एक किसान परिवार से हैं, उन्होंने मथुरा-वृन्दावन विकास प्राधिकरण में 40 वर्ष नौकरी की है। इसके बाद उन्होंने बृजतीर्थ विकास परिषद् में काम करना शुरू कर दिया। इनका कहना है कि उनका मूल उद्देश्य है कि सेवानिवृत के बाद वह शारीरिक रूप से फिट रहें और लोगों से उनकी कनेक्टविटी बनी रहे। उन्होंने कहा कि लोग सेवानिवृत के बाद घर पर न बैठकर कोई भी काम करें जिससे स्वस्थ बने रहें।

वेबसाइट्स पर 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए विशेष ट्रेनिंग और नौकरी के अवसर भी मिलते हैं।

इसके अलावा रिटायर्ड सरकारी अधिकारियों और अनुभवी पेशेवरों के लिए अलग—अलग जॉब पोर्टल्स भी मौजूद हैं, जहां प्रोफाइल बनाकर आसानी से अवसर खोजे जा सकते हैं। सामान्य जॉब प्लेटफॉर्म्स जैसे लिंक्डइन और अन्य जॉब साइट्स पर भी "रिटायर्ड" या "फ्रीलांस" फिल्टर का उपयोग करके उपयुक्त नौकरियां ढूंढी जा सकती हैं।

कुल मिलाकर, रिटायरमेंट के बाद नौकरी केवल काम करने का माध्यम नहीं, बल्कि अनुभव साझा करने, सक्रिय रहने और आत्मनिर्भर जीवन जीने का एक शानदार अवसर है।

बेसहारा के नाम पर प्रधान और सचिव डकार रहे माल

यूनिक समय, मथुरा । बेसहारा गोवंश की सेवा के नाम पर प्रधान और सचिव माल डकार रहे हैं। गिनती में खेल दर्शाकर अधिक भरण– पोषण अनुदान लिया जा रहा है। साफ– सफाई ढर्रे से उतरी है, जबकि संरक्षित गोवंश को कागजों में दाना– चोकर और हरा चारा खिलाया जा रहा है। ऐसा ही एक मामला सीडीओ ने पकड़ा है। अब डीपीआरओ को प्रकरण में कार्रवाई करने को निर्देश दिए गए हैं।

यह प्रकरण गोवर्धन ब्लॉक की ग्राम पंचायत फौंडर में संचालित अस्थाई गो आश्रय स्थल से जुड़ा है। बीते दिन सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने इस अस्थाई गो आश्रय स्थल का निरीक्षण किया तो लापरवाही और वित्तीय अनियमिताएं पकड़ में आ गईं। दोपहर दो बजे औचक निरीक्षण के दौरान सीडीओ को आश्रय स्थल में संरक्षित कोई भी गोवंश हरा चारा खाते नहीं मिला, नांद भी खाली थीं। गंदगी और गोबर चारों ओर फैला हुआ था।

निरीक्षण के दौरान सचिव मौके पर मौजूद नहीं थे, जानकारी पर बताया कि आश्रय स्थल के अभिलेख सचिव पर हैं। देर आए आए सचिव ने एक अप्रैल से तैयार रजिस्टर दिखाया, जिसमें 25 अप्रैल के बाद से कोई विवरण नहीं दर्ज था।

चारा का रिकार्ड गलत था, अप्रैल में चार बार करीब 928 क्विंटल भूसा खरीदने की जानकारी दी, लेकिन आश्रय

सीडीओ ने निरीक्षण के दौरान फौंडर की अस्थाई गोशाला में पकड़ी अनियमितता

भरण— पोषण अनुदान को दर्शाई अधिक गोवंश की संख्या, गिनती में मिले काफी कम

स्थल में भूसा गोदाम ही नहीं था। चोकर– दाने और अन्य का रिकार्ड नहीं था, पशुओं के पानी को पर्याप्त नांद नहीं थीं।

सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने गो आश्रय स्थल में मौजूद गोवंश की गिनती कराई तो संरक्षित गोवंश 460 मिला। अभिलेखों के अनुसार, बीते माह के दौरान यहां से 650 से अधिक गोवंश होने की जानकारी देते हुए भरण– पोषण की मांग भेजी गई, जबकि अप्रैल में 519 गोवंश संरक्षित होने की जानकारी देते हुए भरण– पोषण की मांग भेजी गई है। सीडीओ ने इसे प्रधान और सचिव की वित्तीय अनियमितता माना है।

सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने बताया कि गो आश्रय फौंडर के निरीक्षण के दौरान कई कमियां मिली हैं। वित्तीय अनियमिताएं भी प्रकाश में आई हैं। डीपीआरओ को संबंधित सचिव पर कार्रवाई करने को कहा है।

ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा 17 मई से

एक करोड़ श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन ने बढ़ाई तैयारियां

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। 17 मई से चौरासी कोस की परिक्रमा शुरू होने वाली है। 15 जून तक चलने वाली इस यात्रा में करीब एक करोड़ श्रद्धालुओं की सहभागिता करने का अनुमान है। ऐसे में परिक्रमार्थियों को बेहतर सुविधाएं दिलाने को काम होने लगा है। जिला पंचायत राज विभाग ने भी परिक्रमा क्षेत्र में शामिल छह ब्लॉक की चार दर्जन से अधिक ग्राम पंचायतों में सुविधाएं सहेजने के लिए काम कराना शुरू कर दिया है। परिक्रमार्थियों को बेहतर सफाई और पर्याप्त रोशनी का अहसास कराने को प्रधान और सचिवों को जुटाया गया है, जबकि निगरानी का दायित्व एडीओ पंचायत को सौंपा गया है।

चौरासी कोस परिक्रमा में यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिले, इसके लिए आयुक्त नगेंद्र प्रताप ने जिला पंचायत राज विभाग को बेहतर काम करने को निर्देश दिए हैं। इन निर्देशों के क्रम में मंगलवार को जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल ने मांट, राया, नौहझील, छाता, बल्देव और मथुरा के एडीओ पंचायत के साथ बैठक की। वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से हुई बैठक में उन्होंने संबंधित एडीओ को परिक्रमा मार्ग में पड़ने वाली ग्राम पंचायतों में बेहतर सुविधाएं सहेजने को कहा। डीपीआरओ ने सभी एडीओ से कहा कि परिक्रमा मार्ग पर बेहतर सफाई, पेयजल इंतजाम, प्रकाश व्यवस्था के इस काम को स्वयं जाकर देखें। परिक्रमा मार्ग की सफाई के लिए कर्मचारियों को लगाएं, सचिवों को भी व्यवस्था सहेजने का जिम्मा दें। डीपीओओ ने बताया कि परिक्रमा मथुरा ब्लाक के अलावा छाता, मांट, नौहझील, राया, बल्देव ब्लॉक की चार दर्जन से अधकि ग्राम पंचायतों से होकर गुजरेगी। ऐसे में रात के समय परिक्रमा देने वाले परिक्रमार्थियों को कोई परेशानी नहीं हो, इसके लिए संबंधित ग्राम पंचायत रोशनी का इंतजाम करेगी। सफाई का काम भी अच्छा कराया जाएगा। पेयजल का भरपूर इंतजाम रहेगा। इस काम में लापरवाही मिलने पर संबंधित एडीओ पंचायत, सचिव पर कार्रवाई होगी।

चौरासी कोस परिक्रमा में होगी सफाई और पर्याप्त रोशनी

छह ब्लॉक क्षेत्र के चार दर्जन से अधिक गांवों में जिला पंचायत राज कराएगा बेहतर इंतजाम

एडीओ पंचायत को दी गई जिम्मेदारी, संबंधित ग्राम पंचायत के प्रधान–सचिव को दिया जिम्मा

कोर्ट ने दोषी को सुनाई तीन साल कैद की सजा

यूनिक समय, मथुरा। एडीजे स्पेशल पॉक्सो एक्ट ने एक अभियुक्त को नाबालिग को घर से उठाकर ले जाने और उसके कपड़े उतारने के मामले में तीन साल की सजा और 20 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

थाना हाईवे के गांव सलेमपुर निवासी अभियुक्त हरी जाट द्वारा एक किशोरी को उठा कर घर से ले जाने और उसके कपड़े उतारने के मामले में किशोरी के पिता ने थाना हाईवे में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया और उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रषित किया। मुकदे की सुनवाई एडीजे स्पेशल पॉक्सो एक्ट न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त को उक्त सजा से दंडित किया।

20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

आंधी–तूफान में घायल ने तोड़ा दम

यूनिक समय, मथुरा। करीब एक माह पूर्व आए आंधी–तूफान में घायल हुए ग्रामीण की देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया गया कि सात अप्रैल को जनपद में आई आंधी–तूफान के दौरान थाना राया के गांव नंदा की गढ़ी में आंधी-तूफान ने खासा कहर बरपाया था। ग्रामीण रामवीर की दीवार पर आंधी से पेड़ गिर गया था जिससे दीवर गिर गई। इसके साथ ही वहां लगी लोहे की चादर रामबीर के सिर पर लगी और सिर दो हिस्सों में फट गया। रामवीर का प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। देर रात उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अस्पताल में चल रहा था घायल का इलाज

पांच दिन में बदला ट्रांसफार्मर, ग्रामीणों ने एसडीओ का किया सम्मान

यूनिक समय, फरह। बिजली विभाग के उप खंड अधिकारी ने वादे के अनुसार ट्रांसफार्मर बदलवाकर क्षमता वृद्धि करा दी तो ग्रामीणों ने इस काम पर उनका सम्मान किया। पांच दिन पूर्व जाट सभा के युवा प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र चौधरी और ग्रामीणों ने एसडीओ कार्यालय का घेराव कर ट्रांसफार्मर, केवल बदलवाने को ज्ञापन सौंपा था। आठ दिन में काम न होने पर धरने की चेतावनी दी थी। एसडीओ देवेंद्र सिंह ने पांच दिन में ही 250 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगवाकर और केवल बदलवाकर समस्या का समाधान कर दिया। मंगलवार को ग्रामीण जितेन्द्र चौधरी के साथ एसडीओ कार्यालय पहुंचे। सभी ने एसडीओ देवेंद्र सिंह का सम्मान कर आभार जताया। इस दौरान सौरभ चौधरी, भोले चौधरी, नकुल चौधरी, मनोज चौधरी, सोनू चौधरी, प्रशांत चौधरी, रोहित आदि मौजूद रहे।

पॉक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मांट। पॉक्सो एक्ट के नामजद आरोपी को मांट पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि दो मई को थाना क्षेत्र के एक गांव में पिता शादी में गया था। पीछे से रात्रि में गांव का ही एक युवक नाबालिग पुत्री को बहला फुसला कर गांव के बाहर टावर के समीप बनी कोठरी में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। सात मई को पिता ने युवक के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने अभियुक्त को गांव से गिरफ्तार किया।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनते नगर आयुक्त जग प्रवेश और सहायक नगर आयुक्त सौरभ सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। जन शिकायतों के प्रभावी एवं त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक मंगलवार को आयोजित किए जा रहे "संभव" संतुष्टि एवं समृद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को नगर निगम मथुरा में जनसुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागों को शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त जग प्रवेश ने जनसुनवाई की। वहीं वृंदावन जोनल कार्यालय में अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक तथा सिटी जोन में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार ने लोगों की शिकायतें सुनीं। भूतेश्वर जोन में कुल नौ शिकायत प्राप्त हुईं। शिकायतों में से लाइट से जुड़ी 3 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। वृंदावन जोन में कुल छह शिकायतें दर्ज की गईं। सिटी जोन में लाइट व्यवस्था से संबंधित 1 शिकायत प्राप्त हुई, जिसका तत्काल निस्तारण करा दिया गया। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह चौहान, सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, अधिशासी अभियंता निर्माण अमरेंद्र गौतम, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र यादव, सहायक अभियंता जल हेमेंद्र गौतम तथा नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामगोपाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नगर आयुक्त ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

तापमान / मौसम

39 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,53,990

22 कैरेट 1,42,590

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,79,260 प्रति किलो

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

रोडवेज अधिकारियों की बेरुखी से टेंपो बना जनता का सहारा

वरिष्ठ संवाददाता

फरह स्थित अंडरपास के समीप सवारी भरने के लिए खड़े टेंपो।

अंडरपास के ऊपर दौड़ी बसें, नीचे छूटे यात्री

फरह के यात्रियों को नहीं मिल रही रोडवेज सुविधा

फरह क्षेत्र में रोडवेज सेवा बनी सिर्फ कागजी दावा

यूनिक समय, फरह। रोडवेज अधिकारियों की लाचारी कस्बा और क्षेत्र के लोगों के लिए टेंपो की सवारी की वजह बन गई है। रोडवेज बसों के अभाव में यात्री आगरा और मथुरा के लिए टेंपो से टुकड़ों में यात्रा करने को मजबूर हैं। परिवहन मंत्री के दावे भी धरातल पर नहीं उतर रहे हैं। अंडरपास के ऊपर से निकल रहीं बसें स्थानीय यात्रियों के लिए सपना साबित हो रही हैं। गर्मी के मौसम में रोडवेज की बसें खाली दौड़ती नजर आ रही हैं। चंद सवारियों के सहारे बसों को सड़क पर दौड़ाया जा रहा है। ऐसे में रोडवेज के अधिकारी आय बढ़ाने के लिए ग्रामीण बस सेवा संचालित करने का नया आइडिया खोज कर लाएं हैं, लेकिन इसके बाद भी यात्रियों को सरकारी बस सेवा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। कुछ ऐसा ही हाल कस्बा और क्षेत्र के लोगों के साथ हो रहा है। कस्बा और दर्जनों गांवों के करीब एक हजार से अधिक लोग प्रतिदिन आगरा और मथुरा की यात्रा करते हैं, लेकिन रोडवेज बसों के अभाव में यह यात्री टेंपो के माध्यम से इस यात्रा को टुकड़ों में पूरा करते हैं। आगरा कालेज में पढ़ने वाले विजय ने बताया कि वह रोडवेज बस नहीं मिलने की वजह से पहले टेंपो से सिकंदरा तक जाते हैं, वहां से टेंपो से भगवान टाकीज पहुंचते हैं। मथुरा के बीएसए कालेज में पढ़ने वाली दीपिका का कहना है कि वह टेंपो से गोवर्धन चौराहे से होकर कालेज पहुंचती हैं। ऐसे यात्रा करने से पैसा तो रोडवेज बस के बराबर खर्च होता है, लेकिन समय अधिक खर्च होता है। यह समस्या इन दोनों की नहीं, करीब एक हजार यात्रियों की है। एआरएम मदन मोहन शर्मा का कहना है कि चालकों को बस फरह के अंडरपास से नीचे ले जाने को कहा है, आदेश नहीं मानने वाले चालकों पर जुर्माना किया गया है। व्यवस्था में और सुधार कराया जाएगा।

परिवहन मंत्री के आदेश बेअसर

परिवहन मंत्री ने रोडवेज अधिकारियों को बसों को अंडरपास के नीचे से होकर जाने के आदेश दिए, पत्र भी जारी किया गया, लेकिन किसी ने अमल नहीं किया। रोडवेज बसों के चालकों का कहना है कि अधिकारियों ने समय तय किया है, इसलिए बस फरह से अंडरपास के नीचे से ले जाना संभव नहीं है।

सर्विलांस टीम ने 527 मोबाइल किए बरामद

दो करोड़ के गुम हुए फोन बरामद कर एसपी क्राइम श्वेता यादव ने पुलिस लाइन के सभागार में मालिकों को सौंपे।

एसपी क्राईम ने बरामद 248 मोबाइल मालिकों को सौंपे

279 मोबाइलों को थानों से मालिकों को दिए जाएंगे

यूंनक समय मथुरा। जनपद के थाना क्षेत्रों से गुम हुए 527 मोबाइल फोनों को सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से सर्विलांस सेल ने बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल फोनो की कीमत दो करोड़ बताई गई है। एसपी क्राइम ने आज पुलिस लाइन के सभागार में एक कार्यक्रम में । फोन पाकर उनके चहरे खिले दिखाई दिए।

एसपी क्राइम श्वेता यादव ने बताया कि जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में गुम हुए लोगों के मोबाइलों की बरामदगी के लिए सर्विलांस सेल ने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से फोनों को बरामद करने के प्रयास किए गए। जनपद और दूसरे जनपदों के अलावा दूसरे राज्यों में चल रहे फोनों की पूरी जानकारी हासिल करने के बाद 527 मोबाइल फोन बरामद किए गए। बरामद फोनों की कीमत दो करोड़ रुपये है। फोन मालिकों को फोन देने के लिए पुलिस लाइन के सभागार मे एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। फोन पाने के लिए लोग पुलिस लाइन आए। पुलिस लाइन में बरामद फोनों को पाकर लोगों ने जहां पुलिस का धन्यवाद किया वहीं उनके चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर 248 मालिक ही फोन लेने के लिए आए। शेष बचे 279 फोन के मालिकों को सूचना देकर संबंधित थानों से सपुर्द कराया जाएगा। मोबइल बरामदगी में जनपद मथुरा के समस्त थाना प्रभारियों का सहयोग रहा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

रैपुराजाट पुलिस चौकी के पास हुए हादसे में पति घायल

दिल्ली से फिरोजाबाद लौट रहे थे दंपत्ति वाहन की तलाश

यूनिक समय, फरह। मंगलवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई, जबकि पति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। सीसीटीवी कैमरों से वाहन की तलाश की जा रही है।

फिरोजाबाद शहर के थाना लाइन पार के आजाद नगर निवासी राजदीप अपनी पत्नी रेखा देवी के साथ बाइक से दिल्ली से घर लौट रहे थे। दोपहर करीब 12:45 बजे बाइक सवार दंपत्ति राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित रैपुराजाट पुलिस चौकी के समीप पहुंचे, तभी अज्ञात वाहन ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार दंपत्ति सड़क पर जा गिरे और टक्कर मारने वाला वाहन भाग गया। टक्कर लगने से बाइक सवार रेखा देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति राजदीप गंभीर घायल हो गए। हादसा होते ही आसपास के लोग आ गए, जानकारी पर रैपुराजाट चौकी प्रभारी तेजेंद्र सिंह भी आ गए। पुलिस ने घायल राजदीप को अस्पताल भिजवाया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही राजदीप के परिजन भी आ गए। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल ने बताया कि हादसे की प्राथमिकी अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ दर्ज कर ली गई है। वाहन की तलाश में आसपास लगे सीसी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

रात में पुल से तीन लोगों ने यमुना में लगाई छलांग

किशोरी का शव बरामद युवती को बचा लिया गया

युवक की यमुना में तलाश जारी

यूनिक समय, मथुरा। यमुना पार थाना क्षेत्र में पुल से बीती रात एक के बाद एक करके तीन लोगों ने यमुना में छलांग लगा दी। किशोरी का शव बरामद हो गया है। एक अन्य युवती को पुलिस ने बचा लिया और युवक की तलाश जारी है।

थाना यमुनापार की लक्ष्मीनगर चौकी इंचार्ज प्रियंका उपाध्याय ने बताया कि करीब 12 बजे के आस–पास खुशी के पुल से यमुना में छलांग लगाने का पता लगा। पुलिस किशोरी की तलाश में यमुना में सर्च अभियान चला रही थी। इसी दौरान करीब डेढ़ बजे एक और युवती पुल से यमुना में कूद गई। टीम ने तुरंत उसे यमुना से सकुशल बाहर निकाल लिया। युवती रोहतास जनपद बिहार की रहने वाली है। युवती का आरोप है कि उसके मामा के लड़के ने रात्रि में उसे यमुना में धक्का दे दिया था। पुलिस ने इसके परिवार के लोगों को सूचना दे दी गई है। उनके आने के बाद ही इस मामले में जानकारी हो पाएगी। वहीं खुशी का शव यमुना से निकालने के बाद एक और युवक ने यमुना में छलांग लगा दी। युवक की यमुना में तलाश जारी है। समाचार लिखे जाने तक युवक का पता नहीं लग सका है। इस बात का भी पता नही हैं कि युवक कहां का रहने वाला है।

अभियुक्त सुनील को नहीं मिली जमानत

जिला जज ने जमानत का नहीं माना आधार

यूनिक समय, मथुरा। जिला जज विकास कुमार ने कोसीकलां थाना क्षेत्र अभियुक्त सुनील की जमानत के लिए दी गई उसकी जमानत को नामंजूर कर दिया।

डीजीसी शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि अभियुक्त सुनील की ओर से जिला जज की अदालत में जमानत के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया था। उसके द्वारा घटना में उसे झूंठा फंसाए जाना बताया गया था। इसके साथ ही अन्य तर्क भी दिए गए। डीजीसी ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि अभियुक्त ने एक राय होकर लाठी, सरिया, फरसा और लोहे की रोड आदि से वादी अर्जुन के भाई लालबहादुर पर खोखे पर बैठने के दौरान हमला किया था। लालबहादुर के मेडिक्ल में दस चोट पांच फ्रैक्चर आए हैं। इसके साथ ही अभी आईओ द्वारा विवेचना की जा रही है। इसके चलते उसकी जमानत खारिज की जाए। जिला जज ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद जमानत को खारिज कर दिया।

वृंदावन में व्यापारियों का अधिवेशन

यमुना तट से उठी व्यापार सुधार की गूंज

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के बैनर तले वृंदावन में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन के प्रारंभ में राष्ट्रीय पदाधिकारियों का स्वागत करते स्थानीय व्यापारी बंधु।

गली—कूचे का छोटा दुकानदार अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा

अनियंत्रित ऑनलाइन बाजार पर रोक और व्यावहारिक नियमों की मांग

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के बैनर तले आयोजित दो दिवसीय 'व्यापारी शंखनाद समागम' में सरकार के खिलाफ हुंकार भरी गई। अधिवेशन के पहले दिन राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघवी ने ई–कॉमर्स कंपनियों के अनियंत्रित विस्तार पर चिंता जाहिर की। कहा कि आज गली–कूचे का छोटा दुकानदार अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स की 'डिप डिस्काउंटिंग' और 'प्रिडेटरी प्राइसिंग' ने बाजार का संतुलन बिगाड़ दिया है। संगठन ने सरकार से मांग की है कि एक ठोस ई–कॉमर्स पॉलिसी बनाई जाए, जिसमें छोटे दुकानदारों के लिए समान अवसर सुनिश्चित हों। बिना कड़े नियमों के, खुदरा व्यापार को बचाना असंभव होगा।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता ने 'स्थानीय व्यापार, स्थानीय उत्पादन और स्थानीय पर्यटन' के त्रिकोण पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य एमएसएमई और जनपद के विशिष्ट उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करना है। ब्रज क्षेत्र का हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पाद विश्व स्तरीय हैं, बस उन्हें सही मार्केटिंग और लॉजिस्टिक्स की आवश्यकता है।

राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह ने नई पीढ़ी को व्यापार से जोड़ने पर बल दिया। वहीं मथुरा महानगर अध्यक्ष डॉ. विशाल खुराना ने खाद्य सुरक्षा और मानकों की जटिलताओं पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य सुनील पांडे, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल मांट वाले, प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा, प्रदेश मंत्री प्रयागनाथ चतुर्वेदी, प्रदेश मंत्री नंदकिशोर गुसाई, राजेंद्र गुप्ता प्रदेश महामंत्री, पूर्व सांसद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भैरव प्रसाद, प्रदेश उपाध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष शिव शंकर वर्मा, किशोर करवाल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, प्रहलाद खंडेलवाल सहसंयोजक गवर्नर, चारू चंद्र खरे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, जिला अध्यक्ष मुकेश वार्ष्णेय, जिला महामंत्री हरिओम अग्रवाल, राजकुमार गोयल नगर महामंत्री, नगर मंत्री राकेश गौड़, नगर उपाध्यक्ष विनोद महाबनियां, नगर उपाध्यक्ष वीके उपाध्याय, नगर कोषाध्यक्ष बॉबी बृजवानी, नगर मीडिया प्रभारी विकास खन्ना, प्रदेश महामंत्री युवासंत मिश्रा, नगर अध्यक्ष मनीष चतुर्वेदी, एवं गोवर्धन अध्यक्ष गणेश पहलवान आदि उपस्थित थे।

संत प्रेमानंद–देवकीनंदन की शरण में पहुंचे मनिंदरजीत बिट्टा

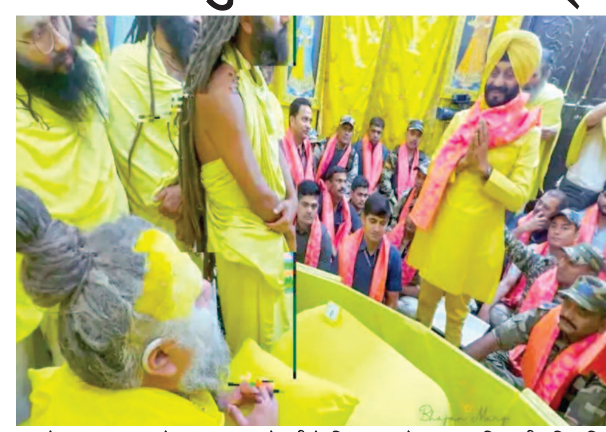

संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात करते एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा ने संत प्रेमानंद और धर्माचार्य ठाकुर देवकी नंदन महाराज से मुलाकात की।

श्री बिट्टा ने संत प्रेमानंद महाराज को दंडवत प्रणाम किया और उनका आशीर्वाद लिया। मनिंदरजीत सिंह बिट्टा ने संत प्रेमानंद महाराज को दुपट्टा पहनाया और प्रसाद भेंट किया। संत प्रेमानंद महाराज से मिलकर मनिंदरजीत सिंह बिट्टा भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि जीवन में उन्होंने बहुत संघर्ष देखे। अनेक जवानों को शहीद होते देखा, लेकिन वह आज भी जीवित हैं।

यह ईश्वर और संतों की कृपा है। अब सभी इच्छाएं पूरी हो चुकी हैं और मैं अपनी किडनी संत प्रेमानंद महाराज को समर्पित करने आया हूं। इस पर संत प्रेमानंद महाराज ने कहा इसके लिए साधुवाद, लेकिन मैंने संकल्प लिया है कि किसी के शरीर का एक बूंद खून भी अपने शरीर में नहीं लेंगे। बिट्टा संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात के बाद देवकी नंदन महाराज के आश्रम प्रियकांत जू मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने सनातन बोर्ड गठन की मांग का समर्थन किया। मुलाकात के दौरान देवकी नंदन महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में सनातन बोर्ड का गठन कर देना चाहिए।

पद्म पुरस्कार 2027 के लिए आवेदन आमंत्रित

24 मई तक जमा करें विवरण

यूनिक समय, मथुरा। आगामी गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2027 पर भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्म श्री पुरस्कारों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हर वर्षों की तरह इस वर्ष भी योग्य महानुभावों के नाम ऑनलाइन माध्यम से भेजे जाएंगे। यह जानकारी जिला क्रीड़ा अधिकारी मथुरा राकेश कुमार यादव ने दी है। उन्होंने बताया कि खेल क्षेत्र से संबंधित ऐसे महानुभाव, जिन्हें पद्म पुरस्कारों के लिए नामित किया जाना है, वे निर्धारित प्रारूप जिला खेल कार्यालय, स्टेडियम मथुरा से प्राप्त कर सकते हैं। आवेदकों को अपने आवेदन के साथ साइटेशन की तीन प्रतियां 24 मई तक जिला खेल कार्यालय, स्टेडियम मथुरा में जमा करनी होंगी, ताकि निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत 27 मई तक सूचना क्षेत्रीय खेल कार्यालय आगरा को भेजी जा सके।

बीएसए महाविद्यालय प्रकरण एसटीएफ की कार्रवाई पर रोक

उच्च शिक्षा निदेशक को नोटिस

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए महाविद्यालय प्रबंध समिति द्वारा दायर दो याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने बड़ी राहत दी है। न्यायालय ने एसटीएफ की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए उच्च शिक्षा निदेशक को नोटिस जारी किया है। यह जानकारी बीएसए महाविद्यालय की प्रबंध समिति के सचिव धीरेन्द्र अग्रवाल ने दी है।

उन्होंने बताया कि पहली रिट एसटीए कार्रवाई के विरुद्ध थी, जो शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित कर रही। इस पर न्यायालय ने रोक लगा दी है, जबकि दूसरी रिट उच्च शिक्षा निदेशक के विरुद्ध दायर की गई। आरोप है कि संबंधित अधिकारी द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश का पालन नहीं किया गया था, जिसके कारण बीएसए डिग्री कॉलेज की व्यवस्था सही से नहीं चल रही थी। इस पर न्यायालय ने इसे अवमानना मानते हुए उच्च शिक्षा निदेशक को नोटिस जारी किया है। सचिव का कहना है कि प्रबंध समिति का उद्देश्य महाविद्यालय की पठन–पाठन प्रक्रिया और प्रशासनिक काम बिना बाधा के चल सकें। संस्था का संकल्प शिक्षकों के वेतन में वृद्धि का भी है, जिससे वे चिंता से मुक्त हो सकें।

काम की खबर — लापरवाही बन सकती है हादसे की वजह

पांच साल बाद बदलें चूल्हे में लगा एलपीजी पाइप

हजारों उपभोक्ताओं के पाइप समय पर नहीं बदले

एजेंसियों पर उपलब्धता की भी समस्या

यूनिक समय, मथुरा। घरेलू एलपीजी सिलेंडर का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं के लिए गैस पाइप की समय–समय पर जांच और बदलाव बेहद जरूरी है। गैस पाइप की भी एक निर्धारित अवधि होती है और सुरक्षा मानकों के अनुसार इसे हर पांच साल बाद बदलना अनिवार्य माना जाता है। समय पर पाइप नहीं बदलने से गैस रिसाव की आशंका बढ़ जाती है, जिससे बड़े हादसे हो सकते हैं। जिले में बड़ी संख्या में ऐसे उपभोक्ता हैं, जिनके घरों में पांच साल से अधिक पुराने गैस पाइप अब भी इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

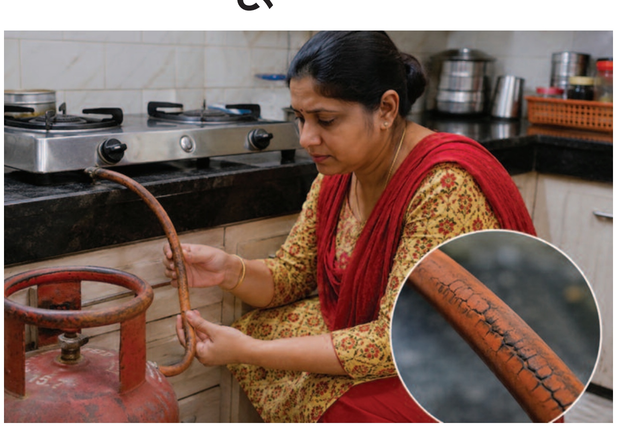

उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्होंने गैस एजेंसियों या हॉकरों को पाइप बदलने के लिए पैसे भी दे दिए, लेकिन महीनों बीतने के बाद भी नए पाइप उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि कुछ गैस एजेंसियों पर पाइप उपलब्ध नहीं होने की बात कही जा रही है। वहीं कई जगह हॉकर उपभोक्ताओं से पाइप के पैसे पहले ही वसूल चुके हैं, लेकिन पाइप नहीं दिए गए। ऐसे में लोग पुराने पाइप का ही इस्तेमाल करने को मजबूर हैं। पुराने पाइप में दरारें पड़ने लगती हैं और धीरे–धीरे लीकेज की समस्या बढ़ जाती है। यही छोटी लापरवाही कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। गर्मी के मौसम में गैस रिसाव का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। यदि पाइप कमजोर या खराब हो चुका हो तो रसोई में आग लगने जैसी घटना हो सकती है।

कई बार लोग पाइप की स्थिति पर ध्यान नहीं देते और वर्षों तक उसी पाइप का उपयोग करते रहते हैं। जिला पूर्ति अधिकारी संजय सिंह ने कहा कि एलपीजी सिलेंडर के पाइप को पांच साल के भीतर बदल देना चाहिए। समय के साथ हर वस्तु खराब होती है और गैस पाइप भी धीरे–धीरे कमजोर होने लगता है।

पाइप में लीकेज होने पर बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने उपभोक्ताओं से सावधानी बरतने और समय पर पाइप बदलवाने को कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उपभोक्ता आईएसआई मार्क वाले पाइप का ही इस्तेमाल करें और पाइप पर लिखी एक्सपायरी तिथि अवश्य जांचें। गैस चूल्हा और सिलेंडर के आसपास सफाई बनाए रखना भी जरूरी है। यदि कहीं गैस की गंध महसूस हो तो तुरंत रेगुलेटर बंद कर एजेंसी को सूचना दें।

ग्रामीणों ने हिरन के बच्चे को कुत्तों के झुंड से बचाया

वन विभाग ने नहीं ली सुध, गो सेवकों की टीम इलाज के लिए अपने साथ ले गई

यूनिक समय, मथुरा। छाता कोतवाली के गांव भदावल के ग्रामीणों में उस समय हड़कंप मच गया। जब एक हिरन के बच्चे के पीछे कुत्तों (श्वान) का एक झुंड उसे खाने के लिए दौड़ रहे थे। ग्रामीणों ने काफी हिम्मत और मशक्कत के बाद किसी तरह हिरन के बच्चे को बचा लिया, लेकिन वो घायल हो चुका था। गांव भदावल में जंगली कुत्ते एक हिरन के बच्चे को खाने के लिए उसके पीछे दौड़ रहे थे। हिरन का बच्चा भी अपनी जान बचाने के लिए तेजी से दौड़ रहा था। इस दृश्य को देख ग्रामीण हिरन के बच्चे को कुत्तों से बचाने के लिए उनके पीछे लाठी डंडे लेकर दौड़ने लगे। काफी मशक्कत के बाद कुत्तों के झुंड को ग्रामीणों ने भगा कर घायल हिरन के बच्चे को पकड़ लिया। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग को घायल हिरन के बच्चे का इलाज कराने के लिए कई बार सूचना दी गई, लेकिन अधिकारियों ने संज्ञान तक नहीं लिया है।

अधिकारियों की इस लापरवाही को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि गो सेवक कमल ठाकुर को इस बारे में बताया गया। कमल ठाकुर अपनी टीम के साथ आए घायल हिरन के बच्चे को इलाज के लिए ले गए।

बसपाईयों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को बसपा जिलाध्यक्ष जितेंद्र कर्दम के नेतृत्व में डीएम सीपी सिंह को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में अनुसूचित वर्ग के लोगों पर अत्याचारों में बढ़ोत्तरी का विरोध करते हुए कार्रवाई की मांग की गई। इस दौरान जोन प्रभारी सुरेश बाबू, जोन प्रभारी नरेश सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष सत्य प्रकाश कर्दम, प्रेमचंद कर्दम, गोवर्धन सिंह, अशोक कुमार सुमन, प्रेम प्रकाश, जिला महासचिव पवन बघेल, जिला कोषाध्यक्ष डॉ. राज जी, जिला सचिव कार्यालय प्रभारी मुनेंद्र निगम आदि मौजूद रहे।

डीएलएड परीक्षा में नकल रोकने को प्रशासन पूरी तरह सतर्क

50 मीटर तक बंद रहेंगी फोटो स्टेट व स्टेशनरी की दुकानें

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में आयोजित होने वाली डीएलएड परीक्षा को शांतिपूर्ण, नकलविहीन एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा अवधि के दौरान प्रतिदिन सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) मथुरा में नियंत्रण कक्ष संचालित किया जाएगा। नियंत्रण कक्ष के संयुक्त प्रभारी के रूप में नरेन्द्र सिंह (प्रवक्ता), विवेक कुमार (प्रवक्ता) एवं हिमांशु मोहन रावत को नियुक्त किया गया है। नामित अधिकारी परीक्षा से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान करेंगे तथा प्रत्येक परीक्षा सत्र में उपस्थित और

अनुपस्थित परीक्षार्थियों का विवरण संकलित कर प्रस्तुत करेंगे। नियंत्रण कक्ष में पुलिस विभाग का एक अधिकारी भी मौजूद रहेगा। जिला प्रशासन ने सभी मजिस्ट्रेट्स एवं केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए हैं कि

डायट में बनेगा कंट्रोल रूम, पुलिस बल के साथ मजिस्ट्रेट रखेंगे कड़ी निगरानी

परीक्षा केंद्रों के 50 मीटर के दायरे में कोई भी फोटोस्टेट एवं स्टेशनरी की दुकान संचालित न हो और आसपास भीड़ एकत्रित न होने पाए।

परीक्षा के लिए नगर मजिस्ट्रेट मथुरा को जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है, जो लगातार भ्रमणशील रहकर कानून एवं शांति व्यवस्था पर निगरानी रखेंगे। वहीं विभिन्न अधिकारियों को रिजर्व मजिस्ट्रेट के रूप में भी तैनात किया गया है। जिलाधिकारी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक नगर को निर्देशित किया है कि परीक्षा केंद्रों, उत्तर पुस्तिकाओं के परिवहन तथा संकलन केंद्र डायट मथुरा पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त सशस्त्र पुलिस बल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशनों पर भी सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था मजबूत रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने परीक्षार्थियों को गुमराह करने वाले तत्वों और संदिग्ध संस्थाओं पर कड़ी निगरानी रखते हुए उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

जिला प्रशासन ने कहा है कि मथुरा संवेदनशील जनपद होने के कारण परीक्षा के दौरान विशेष सतर्कता और निगरानी बरती जाएगी।

बाबा कढेरा सिंह क्रिकेट लीग का शानदार आगाज

क्रिकेट लीग के शुभारंभ पर मौजूद टीम और गणमान्य लोग।

यूनिक समय, मथुरा। बाबा कढेरा सिंह विद्या मंदिर में स्वर्गीय बाबा कढेरा सिंह की स्मृति में आयोजित बीपीएल क्रिकेट लीग (बाबा कढेरा क्रिकेट लीग) का शुभारंभ रविवार को उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय के चेयरमैन सुरेश सिंह, प्रबंध निदेशक गौरव सिंह, प्रबंधक प्रह्लाद सिंह, प्राचार्य देवाशीष सेन एवं डॉ. अशोक ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन अवसर पर विद्यालय परिवार और विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

प्रतियोगिता के आयोजक सचिव एवं विद्यालय कोऑर्डिनेटर बिपिन सिंह ने बताया कि विद्यालय की अलग-अलग चार टीमों का चयन किया गया है। लीग आधार पर आयोजित इस टूर्नामेंट में 10-10 ओवर के मुकाबले खेले जाएंगे। प्रत्येक टीम एक-दूसरे के खिलाफ मैच खेलेगी और अंक व रन रेट के आधार पर शीर्ष टीमें अगले दौर में पहुंचेंगी। इसके बाद फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

उद्घाटन मैच विवेक और रचित की टीमों के बीच खेला गया। विवेक की टीम ने टॉस जीतकर पहले

चार टीमों के बीच शुरू हुई क्रिकेट जंग

56 रन बनाकर विवेक टीम ने मारी बाजी

बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 56 रन बनाए। जवाब में रचित की टीम 10 ओवर में 32 रन पर ऑल आउट हो गई। इस तरह विवेक की टीम ने शानदार जीत दर्ज कर अंक हासिल किए। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए विवेक को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। मैच में अंपायर की भूमिका श्याम कुमार, हेमेन्द्र और अमित कुमार ने निभाई, जबकि कमेंट्री बिपिन सिंह और रोहताश ने की। कल का मुकाबला वेदराम और वैभव की टीमों के बीच खेला जाएगा। इस अवसर पर शिक्षा प्रभारी एसवी सिंह, बीरपाल प्रधान, उपप्राचार्य रामबाबू, हेडमास्टर सुरेंद्र सिंह, डॉ. अशोक, रामबीर, जीएस सदानंद शर्मा, ओमप्रकाश, रोहताश सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया स्वैच्छिक रक्तदान

यूनिक समय मथुरा। बेनीवाल ग्रुप के तत्वावधान में पूर्णिमा ब्लड बैंक कोसी मथुरा के सहयोग से होली चौक, बटेन खुर्द, कोसीकलां मथुरा में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन धीरू बेनीवाल, गौरव बेनीवाल, नारायण बेनीवाल, अज्जू बेनीवाल, चारों ने संयुक्त रूप किया।

ब्लड बैंक के डायरेक्टर मोहित सारस्वत ने रक्तदान करने वाले रक्त वीरों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। रक्तदान करने वालों में नरेश, रमेश चंद, राजेंद्र, देवांश बेनीवाल, सुमित दिवाकर,

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में रक्तदान करते लोग।

अज्जू, गौरव, नारायण, महेंद्र, हरकेश, रूपसिंह, जितेंद्र आदि लोगों ने रक्तदान किया तथा ब्लड बैंक की टीम में डॉक्टर मोहित गुप्ता जितेंद्र गौरव यतेंद्र रवि आदि का सहयोग।

संस्कार भारती का उद्देश्य समाज को जागृत करना

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। कला साहित्य के माध्यम से समाज को जागृत करना संस्कार भारती का उद्देश्य है कला और संस्कृति जीवंत रहेगी तो हमारा भविष्य निश्चित रूप से उज्ज्वल होगा।आज समाज में कला और साहित्य के प्रति रुचि जागृत हुई है। यह उदगार संस्कार भारती ब्रज प्रांत के उपाध्यक्ष शशांक तिवारी ने वार्षिक साधारण सभा संस्कार भारती वृंदावन में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि संस्कार भारती वृंदावन के कार्य धरातल पर आज समाज में दिखाई दे रहे हैं। कोषाध्यक्ष हरिवंश खंडेलवाल ने सत्र 2025 26 का आय व्यय ब्यौरा प्रस्तुत किया। प्रो. केएम अग्रवाल ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए वर्ष में किए गए कार्यक्रमों का उल्लेख किया।संस्था अध्यक्ष ब्रज किशोर त्रिपाठी ने कहा कि संस्कार भारती वृंदावन के सदस्यों का एवं पदाधिकारी का कला साहित्य के उत्थान में बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। इस अवसर पर यूपीपीसीएस में 48 में रैंक प्राप्त कर कॉमर्शियल टैक्स में असिस्टेंट कमिश्नर पद पर चयन होने पर कृष्णांगी त्रिपाठी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन कन्हैया अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर विश्वनाथ गुप्ता, मोहन मोही, विनय गोस्वामी, राधा गोस्वामी, आनंद प्रकाश द्विवेदी, चंद्र प्रकाश द्विवेदी, प्रह्लाद दास अग्रवाल तथा गिरधारी लाल गर्ग आदि उपस्थित थे।

केडी हॉस्पिटल एवं केडी नर्सिंग कॉलेज में मना अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस

डॉक्टर्स से बड़ी जिम्मेदारी निभाती हैं नर्सेज: प्राचार्य

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षा संस्थानों केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर तथा केडी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल साइंस में मंगलवार को अंतराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया गया। अंतराष्ट्रीय नर्स दिवस का शुभारम्भ डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, केडी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल साइंस की प्राचार्या डॉ. एनपी चानू, निदेशक नर्सिंग शीला एलेक्स द्वारा फ्लोरेंस नाइटिंगेल के छायाचित्र पर माल्यार्पण और केक काटकर किया गया।

केक काटकर फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती मनाते डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह, निदेशक नर्सिंग शीला एलेक्स आदि।

केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने सभी नर्सेज को अंतराष्ट्रीय नर्स दिवस की बधाई देते हुए उनके कार्यों की प्रशंसा की। डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका ने अपने कहा कि चिकित्सा पेशे में चिकित्सक और नर्सेज एक गाड़ी के दो पहियों के समान हैं। सच कहें तो डॉक्टर्स से बड़ी जिम्मेदारी नर्सेज निभाती हैं। डॉ. अशोका ने कहा कि अंतराष्ट्रीय नर्स दिवस सिर्फ एक तारीख नहीं बल्कि उन लाखों नर्सों के समर्पण, करुणा और हिम्मत को सलाम करने का दिन है, जो हर दिन अपने पेशे के जरिए दुनिया को बेहतर बना रही हैं।

इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह ने कहा कि ज्ञान और मृदु व्यवहार ही नर्स का प्रमुख गुण होता है। नर्सिंग स्टाफ चूंकि मरीज के हमेशा करीब होता है तथा उसकी देखभाल करता है लिहाजा उसके चेहरे पर हमेशा मुस्कराहट तथा रोगी के प्रति विनम्र व्यवहार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मरीज की आधी बीमारी तो नर्सेज के अच्छे व्यवहार से ही ठीक हो जाती है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सिंह ने कहा कि हम अच्छे व्यवहार और सेवाभाव से चिकित्सा पेशे को और ऊंचाई दे सकते हैं।

कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल ने कहा कि नर्सेज स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की नींव हैं। यह हमारा नैतिक कर्तव्य है कि हम उनकी अनूठी एवं निःस्वार्थ सेवाओं के बदले वापस कुछ लौटाएं और उनका भविष्य उन्नत करें। केडी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल साइंस की प्राचार्य डॉ. एनपी चानू ने कहा कि दुनिया में नर्सों की सेवा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। रोगी की सेवा करते हुए वे अपना पारिवारिक सुख, करियर, जीवन और वर्तमान सबकुछ झोंक देती हैं। निदेशक नर्सिंग शीला एलेक्स ने कहा कि नर्सिंग सिर्फ एक पेशा नहीं, यह एक सेवाभाव है। हर दिन कोई न कोई नर्स किसी न किसी की जान बचा रही होती है, किसी को जीने की नई उम्मीद दे रही होती है। उन्होंने कहा कि यह दिन आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल को समर्पित होता है, इस दिन का उद्देश्य नर्सों की मेहनत, सेवा और स्वास्थ्य क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान को पहचान देना है। इस साल की थीम नर्सों के अधिकार, स्वास्थ्य और समाज में उनकी भूमिका बहुत कुछ संदेश देती है।

उन्होंने कहा कि नर्सेज अपनी उपयोगिता और सम्मान को समझें। नर्सिंग दिवस कार्यक्रम में हॉस्पिटल के प्रशासनिक अधिकारी समीर गौतम, प्रियाकांत यादव, दीपक शर्मा एवं लव सिंह, निहाल सिंह, एमाउंट सिंह उर्फ मोंटी, राजीव, जयपाल, श्वेता सिंह, शाहिदा, पूजा सहित बड़ी संख्या में नर्सेज तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर जिला अस्पताल में रंगारंग कार्यक्रम

यूनिक समय, मथुरा। जिलेभर में मंगलवार को अंतराष्ट्रीय नर्स दिवस उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी चिकित्सालयों तक नर्सिंग स्टाफ के योगदान को सराहा गया। इसी क्रम में जिला अस्पताल मथुरा में भी विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें डॉक्टरों, नर्सों एवं अस्पताल कर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। नर्सिंग स्टाफ ने स्वास्थ्य सेवाओं में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाते हुए विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल ने नर्सों को अंतराष्ट्रीय नर्स दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मरीजों की सेवा में नर्सों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि नर्सें अस्पताल की रीढ़ होती हैं और उनकी मेहनत, समर्पण एवं सेवा भावना से ही मरीजों को बेहतर उपचार मिल पाता है।

इस दौरान डॉ. अमन ने भी नर्सिंग स्टाफ की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में नर्सों का योगदान अतुलनीय है। इस मौके पर डॉ. सिद्धार्थ धनगर, नर्सिंग स्टाफ सहित अस्पताल के अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

कृष्णकालीन पौराणिक वन क्षेत्र बनेगा कोकिलावन

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अब शनिधाम (कोकिलावन) केवल दर्शन और परिक्रमा का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि आध्यात्म, प्रकृति और शांति का अनोखा अनुभव भी देगा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की पहल पर शनिधाम को तीर्थस्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां भक्त पौराणिक वृक्षों की छांव में ठहरने का भी आनंद उठा सकेंगे। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ लक्ष्मी नागप्पन के निर्देश पर परिषद, वन विभाग और विकास प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने शनिधाम का दौरा किया। इस दौरान कार्यों की प्रगति देखी। यहाँ उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की पहल पर कोकिलावन की पवित्र परिक्रमा को आकर्षक बनाने के लिए मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा व्यापक कार्य किया जा रहा है। परिक्रमा मार्ग पर स्ट्रीट लाइट लगा दी गई है, जिससे श्रद्धालुओं को रात्रि में भी सुविधाजनक दर्शन का अनुभव मिलेगा। इसके साथ ही यहां 10 हेक्टेयर क्षेत्र में विशाल वेटलैंड विकसित करने की योजना पर काम किया जा रहा है, यह कार्य वन विभाग द्वारा कराया जा रहा है। इसके साथ ही लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में कृष्णकालीन पौराणिक वन तैयार करने की योजना है। इस वन क्षेत्र में उन वृक्षों को लगाया जाएगा, जिनका उल्लेख श्रीकृष्ण लीला और ब्रज संस्कृति में मिलता है। पौराणिक वन का कार्य अगली कार्य योजना के लिए प्रस्तावित है। यहाँ विशेष आकर्षण के रूप में पौराणिक वन के बीच टीएफसी (टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर) बनाने का भी प्रस्ताव है, जिसका निर्माण धर्मार्थ विभाग द्वारा राजकीय निर्माण निगम से कराया जाना प्रस्तावित किया गया है। इससे श्रद्धालु प्राकृतिक वातावरण में रुककर कोयल की मधुर आवाज और विभिन्न पक्षियों की चहचहाहट के बीच आध्यात्मिक शांति का अनुभव कर सकेंगे।

कोकिलावन में भक्तों को मिलेगा पौराणिक वन के बीच ठहरने का आनंद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप ब्रज में तीर्थ स्थलों के विकास पर हो रहा काम

निरीक्षण टीम में पर्यावरण सलाहकार मुकेश शर्मा, उप प्रभागीय वनाधिकारी सुशील कुमार सिंह और सहायक अभियंता सुमित कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पिता के डांटने पर किशोरी ने बुलाई डायल 112

पुलिसकर्मियों की अभद्रता, पिता–पुत्री को घर से ले गए

पुत्री को रास्ते छोड़ पिता को थाने ले गई पुलिस

किशोरी ने घर लौटने की बजाय यमुना में छलांग लगाई

यूनिक समय, मथुरा। पिता द्वारा मोबाइल चलाने पर किशोरी को डांटे जाने पर डॉयल 112 को फोन कर बुलाने के बाद जो हुआ वह लोगों का दिल दहलाने वाला था। डॉयल 112 का फोर्स किशोरी और उसके पिता को घर से थाने ले गए। रास्ते में किशोरी को उतार दिया। इसके बाद किशोरी ने पुल से यमुना में छलांग लगा कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना से इलाके में हड़कंम मचा हुआ है। लक्ष्मीनगर इलाके में रहने वाले आनंद की बेटी खुशी (16) को पिता ने मोबाइल चलाने को लेकर डांट लगाई। बेटी के जवाब देने से आक्रोशित पिता ने उसे थप्पड़ मार दिया। बेटी ने आवेश में डायल 112 को फोन कर दिया। खुशी के भाई अमन ने घटना के बारे में बताया कि कुछ ही देर बाद डायल 112 की गाड़ी आनंद के घर पहुंच गई। अमन का आरोप है कि शराब के नशे में धुत्त पुलिसकर्मियों ने उसके माता–पिता के साथ अभद्रता और गाली गलौज की। इसके बाद बहन खुशी और पिता को गाड़ी में बिठा कर थाने ले गए। पेंठ के समीप खुशी को पुलिसकर्मियो ने गाड़ी से उतार दिया। पिता को थाने ले गए। इसके बाद खुशी घर नहीं पहुंची। खुशी के घर न पहुंचने पर उसकी तलाश की गई। बाद में पता लगा कि उसने पुल से यमुना में छलांग लगा दी है। रात को दो बजे खुशी का शव यमुना से निकाला गया। इसके बाद थाने पर बिठाए गए पिता को छोड़ा गया। पुलिस ने खुशी के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर आक्रोश है कि रात में डायल 112 के पुलिस कर्मियों द्वारा किशोरी को थाने ले जाने और उसे बिना किसी के सपुर्द किए रास्ते में छोड़ने की जांच करा कर अधिकारियों को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

मानवता की सेवा के लिए भी सदैव तत्पर : राधा प्रसाद देव जू

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में रोगियों की जांच करते डाक्टर्स।

राधा प्रसाद धाम में लगा नि:शुल्क हेल्थ चेकअप कैंप

यूनिक समय, वृंदावन। परिक्रमा मार्ग स्थित राधा प्रसाद धाम में सेवा और स्वास्थ्य के संकल्प के साथ एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया।

यह शिविर हरिदासीय पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी राधा प्रसाद देव जू महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने बताया कि महाराज श्री के मार्गदर्शन में इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ब्रजवासियों और संतों को उनके घर के समीप ही बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना था। स्वास्थ्य शिविर में शहर के प्रतिष्ठित अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं।

शिविर के दौरान न केवल मरीजों का मुफ्त चेकअप किया गया, बल्कि आवश्यक रक्त जांच (ब्लड टेस्ट), शुगर और बीपी की मॉनिटरिंग भी निःशुल्क की गई। डॉक्टरों ने मरीजों को उचित खान–पान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित किया।

आचार्य राधा प्रसाद देव जू महाराज के आशीर्वाद से जरूरतमंद मरीजों को संस्थान की ओर से निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं।

जीएम नर्सिंग कॉलेज में मनाया अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस

अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस पर केक काटता नर्सिंग स्टाफ ।

नर्सिंग सेवा और मानवता का दिलाया संकल्प

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन स्थित जीएम नर्सिंग पैरामेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं केक काटकर किया गया। इस दौरान छात्र–छात्राओं को नर्सिंग सेवा, मानवता एवं सामाजिक दायित्वों की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से पहुंचे विनेश कुमार सनवाल (पीएलवी न्याय अधिकार), महेंद्र प्रताप गौतम (पीएलवी न्याय अधिकार) एवं नवसृजन वेलफेयर फाउंडेशन मथुरा के प्रतिनिधि मिहिर कुमार ने छात्र–छात्राओं को नागरिक अधिकार, साइबर अपराध से बचाव, राष्ट्रीय लोक अदालत, निःशुल्क कानूनी सहायता तथा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा संबंधी कानूनी जानकारी दी।

एएनएम एवं जीएनएम छात्र–छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम और झांकियां प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कॉलेज के डायरेक्टर बीबी शर्मा ने नर्सों को स्वास्थ्य सेवा की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बताया।

कॉलेज सचिव डॉ. बिनेश कुमार दीक्षित ने फ्लोरेंस नाइटिंगेल के योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रधानाचार्य चंचल कुमार सैनी, डॉ. ललित कुमार, डॉ. धर्मेश, डॉ. अविनाश, विशाल सिंघल, गुरुदेव, रामकुमार सैनी, सागर शर्मा, मनोज समाधिया, बलदेव सैनी सहित समस्त स्टाफ एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

गोवर्धन में महाराणा प्रताप की जयंती पर निकाली शोभायात्रा

महाराणा प्रताप जयंती की पर विधायक मेघश्याम सिंह, रालोद नेता कुंवर नरेंद्र सिंह आदि मौजूद।

यूनिक समय, गोवर्धन। कस्बा में महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा डीग अड्डे से प्रारंभ होकर परिक्रमा मार्ग सहित कस्बा के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुनः डीग अड्डे पर पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान जगह–जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में मुख्य विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह, रालोद के वरिष्ठ नेता कुँवर नरेंद्र सिंह कहा कि महाराणा प्रताप केवल एक वीर योद्धा ही नहीं, बल्कि स्वाभिमान, राष्ट्रभक्ति और त्याग के प्रतीक थे। उनके आदर्श आज भी युवाओं को प्रेरणा देने का कार्य कर रहे हैं।

इस मौके पर पंकज ठाकुर, भारत सिंह, थाना सिंह, गोपी ठाकुर, श्याम ठाकुर, प्रकाश ठाकुर, विष्णु ठाकुर, ललित ठाकुर, राजा ठाकुर, करण ठाकुर, प्रशांत ठाकुर, अजय ठाकुर तथा इंद्रजीत भूरा पहलवान सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बदलाव शिक्षकों की ई–सर्विस बुक में गलतियों पर निदेशालय सख्त

अब बिना मूल अभिलेख सत्यापन नहीं होगा

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा सहित प्रदेश में शिक्षकों और कर्मचारियों के मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज विवरणों में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों को लेकर बेसिक शिक्षा निदेशालय ने सख्त रुख अपनाया है। अब अवकाश, जन्मतिथि और अन्य सेवा विवरणों में किसी भी प्रकार का संशोधन बिना मूल अभिलेखों के सत्यापन के नहीं किया जाएगा।

इस संबंध में शिक्षा निदेशक (बेसिक) प्रताप सिंह बघेल की ओर से सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं।

निदेशालय को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कई मामलों में बिना पर्याप्त जांच और मूल दस्तावेजों के मिलान के मानव संपदा पोर्टल पर ई–सर्विस बुक में संशोधन की संस्तुतियां भेजी जा रही थीं। इससे रिकॉर्ड की शुद्धता पर सवाल खड़े हो रहे थे। आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि अब किसी भी कर्मचारी या शिक्षक को संशोधन के लिए पहले अपने बीईओ या बीएसए कार्यालय में प्रमाणित अभिलेखों सहित आवेदन देना होगा।

अब सबसे पहले खंड शिक्षा अधिकारी स्तर पर दस्तावेजों का परीक्षण होगा, फिर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी स्वयं मूल अभिलेखों का मिलान कर संस्तुति देंगे। जन्मतिथि संशोधन के मामलों में हाईस्कूल अंकपत्र और प्रमाणपत्र की प्रमाणिकता की अलग से जांच कराई जाएगी।

बेसिक शिक्षा विभाग के इस फैसले को शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और फर्जीवाड़े पर अंकुश लगाने की बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। मथुरा समेत प्रदेशभर में हजारों शिक्षक लंबे समय से डेटा त्रुटियों, अवकाश रिकॉर्ड और सेवा पुस्तिका में गलत प्रविष्टियों की समस्या झेल रहे हैं। नए आदेश के बाद अब लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही भी तय होगी, जिससे विभागीय स्तर पर सतर्कता बढ़ना तय माना जा रहा है। इस संबंध में मथुरा बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने कहा कि शासन ने जो निर्देश दिए हैं उनका पालन किया जाएगा।

सुविचार

जीवन की छोटी-छोटी चीजों के लिए आभारी रहें।

कल का पंचांग

तिथि	द्वादशी	01:30-11:20 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तरभाद्रपदा	01:17-12:17 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:35 AM	चन्द्रोदय	02:45 AM
सूर्यास्त		6:55 PM	चंद्रास्त	03:20 PM
सूर्य राशि		मेष राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	03:59-04:47
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		12:15 PM: 01:15 PM	वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

अपरा एकादशी कलः भगवान विष्णु का धाम है वैकुंठ

वैकुंठ यात्रा में रुकावट बनते हैं सात अदृश्य द्वार

यूनिक समय, मथुरा। अपरा एकादशी हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और आध्यात्मिक महत्व रखने वाला व्रत माना जाता है, जो ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होता है और इसे करने से व्यक्ति के सभी पापों का नाश होता है तथा मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इस दिन उपवास, पूजा, ध्यान और भक्ति के माध्यम से आत्मशुद्धि का विशेष अवसर प्राप्त होता है।

शास्त्रों और वैष्णव परंपराओं में वैकुंठ धाम को भगवान विष्णु का परम निवास स्थान बताया गया है, जहां न दुख होता है, न मृत्यु और न ही पुनर्जन्म का चक्र। लेकिन यह भी माना गया है कि आत्मा को वैकुंठ तक पहुंचने के लिए सात अदृश्य आध्यात्मिक द्वारों को पार करना पड़ता है, जो वास्तव में बाहरी नहीं बल्कि मनुष्य के भीतर स्थित दोष और भावनाएं हैं।

पहला द्वार 'इच्छा' माना गया है, जहां अनियंत्रित लालसाएं आत्मा को भटकाती हैं। **दूसरा द्वार** 'क्रोध' है, जो मन की शांति को नष्ट करता है और विवेक को कमजोर बनाता है। **तीसरा** द्वार 'लोभ' है, जिसमें व्यक्ति कभी संतुष्ट नहीं होता और अधिक पाने की इच्छा उसे बांध लेती है।

चौथा द्वार 'मोह' है, जो अत्यधिक लगाव और भावनात्मक निर्भरता से उत्पन्न होता है। **पांचवां द्वार** 'अभिमान' है, जो व्यक्ति को स्वयं को श्रेष्ठ मानने की भावना से ग्रसित करता है। **छठा द्वार** 'ईर्ष्या' है, जो दूसरों की सफलता को देखकर मन में असंतोष और जलन पैदा करता है।

अंतिम और सबसे कठिन द्वार 'अहंकार' माना गया है, जिसमें व्यक्ति स्वयं को ईश्वर से अलग और स्वतंत्र समझने लगता है। यही वह स्थिति है जो आत्मा को मोक्ष के मार्ग से सबसे अधिक दूर कर देती है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, इन सात द्वारों को पार करना ही वास्तविक आध्यात्मिक यात्रा है। अपरा एकादशी का व्रत केवल उपवास नहीं बल्कि इन आंतरिक दोषों पर विजय पाने का प्रतीक है। जो व्यक्ति श्रद्धा और संयम के साथ इस दिन भगवान विष्णु की आराधना करता है, वह धीरे-धीरे इन बाधाओं से मुक्त होकर आत्मिक शांति और मोक्ष के मार्ग की ओर अग्रसर होता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष राशि : कल का दिन ऊर्जा से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा लेकिन जल्दबाजी से बचें। परिवार में हल्की अनबन संभव है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, पर थकान महसूस हो सकती है।

वृषभ राशि : कल आर्थिक मामलों में सुधार के संकेत हैं। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। नौकरी में स्थिरता बनी रहेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें। यात्रा के योग बन सकते हैं, लाभ मिलेगा।

मिथुन राशिः कल सोच-समझकर निर्णय लें। कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। मानसिक तनाव से बचें। विद्यार्थियों को अच्छे परिणाम मिलेंगे। परिवार में शांति बनी रहेगी।

कर्क राशिः कल भावनात्मक रूप से दिन संवेदनशील रहेगा। घर में हल्की चर्चा हो सकती है। नौकरी में प्रगति के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पुराने मित्र से मुलाकात संभव है।

सिंह राशिः कल आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा। नेतृत्व क्षमता से लोग प्रभावित होंगे। व्यापार में लाभ के योग हैं। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। गुस्से पर नियंत्रण रखें। नई योजना सफल हो सकती है।

कन्या राशिः कल काम में व्यस्तता अधिक रहेगी। मेहनत का पूरा फल मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर रह सकता है। परिवार का सहयोग मिलेगा। पुराने कार्य का समाधान होगा।

तुला राशिः कल संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। रिश्तों में सुधार होगा। नौकरी में नए अवसर मिल सकते हैं। खर्च अधिक हो सकता है। प्रेम जीवन में खुशहाली आएगी। निर्णय सोच-समझकर लें।

वृश्चिक राशिः कल का दिन मिश्रित परिणाम देगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी लेकिन मेहनत अधिक करनी होगी। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। परिवार का सहयोग मिलेगा। धन लाभ के योग बन रहे हैं।

धनु राशिः कल भाग्य आपका साथ देगा। नए अवसर प्राप्त होंगे। शिक्षा और करियर में प्रगति होगी। यात्रा लाभकारी रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके कार्य पूरे होंगे।

मकर राशिः कल कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में पदोन्नति के संकेत हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। किसी पुराने मित्र से लाभ मिल सकता है।

कुंभ राशिः कल नए विचार और योजनाएं बनेंगी। कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। खर्च बढ़ सकते हैं। प्रेम जीवन में सुधार आएगा।

मीन राशिः कल का दिन शुभ रहेगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक लाभ के योग हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बढ़ सकती है और मन प्रसन्न रहेगा।

सुबह भारी मन और घर की नेगेटिव एनर्जी के संकेत

यूनिक समय, मथुरा। घर में शांति न मिलना, सुबह उठते ही मन भारी रहना और बिना वजह तनाव महसूस होना केवल मानसिक थकान नहीं, बल्कि वास्तु और ज्योतिष के अनुसार घर की नकारात्मक ऊर्जा का संकेत भी हो सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि घर में फैली गंदगी, अव्यवस्थित सामान, बंद कमरे और अंधेरे कोने धीरे-धीरे सकारात्मक ऊर्जा को कम कर देते हैं। इससे परिवार के सदस्यों के बीच चिड़चिड़ापन और बेवजह के झगड़े बढ़ सकते हैं। वास्तु के अनुसार उत्तर-पूर्व दिशा में भारी सामान रखना और घर में लंबे समय तक कबाड़

जमा रखना मानसिक अशांति का कारण बनता है। साथ ही, सूर्य की रोशनी का घर में न पहुंचना भी उदासी और थकान को बढ़ाता है। सुबह खिड़कियां न खोलना और ताजी हवा का प्रवेश रोकना भी ऊर्जा असंतुलन पैदा करता है। बेडरूम में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का ज्यादा इस्तेमाल और पूजा स्थल की अनदेखी भी मानसिक शांति पर असर डालती है। किचन में गंदगी या गलत दिशा में बने रसोईघर को भी रिश्तों में तनाव से जोड़ा जाता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि नियमित सफाई, प्राकृतिक रोशनी और व्यवस्थित घर से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाई जा सकती है और मानसिक सुकून वापस पाया जा सकता है।

35 की उम्र के बाद राजा जैसी जिंदगी जीते हैं आठ मूलांक के लोग

यूनिक समय, मथुरा। अंकज्योतिष के अनुसार मूलांक 8 को ऐसा विशेष मूलांक माना जाता है, जिसके जातकों का जीवन शुरुआती दौर में संघर्ष, जिम्मेदारियों और कठिन परिस्थितियों से भरा होता है। लेकिन समय के साथ यही लोग अपनी मेहनत, धैर्य और मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर असाधारण सफलता हासिल करते हैं। कहा जाता है कि 35 वर्ष की उम्र के बाद इनका जीवन एक नए मोड़ पर पहुंच जाता है और यहीं से इनका "सुनहरा समय" शुरू होता है।

मूलांक 8 उन लोगों का होता है जिनका जन्म किसी भी महीने की 8, 17 या 26 तारीख को होता है। इनका संबंध शनि ग्रह से माना जाता है, जिसे न्याय, अनुशासन और कर्मफल का ग्रह कहा गया है। शनि का प्रभाव इनके जीवन में देरी से लेकिन स्थायी सफलता के रूप में देखा जाता है।

इन लोगों की सबसे बड़ी विशेषता उनका धैर्य और संघर्ष क्षमता होती है। जीवन के शुरुआती वर्षों में इन्हें कई बार असफलताओं, आर्थिक दबाव और देरी से मिलने वाली उपलब्धियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन ये परिस्थितियां इन्हें तोड़ने के बजाय और मजबूत बनाती हैं। यही कारण है कि ये लोग समय के साथ बहुत स्थिर और मजबूत व्यक्तित्व बन जाते हैं।

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, खासकर 35 वर्ष के बाद, इनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। रुके हुए काम बनने लगते हैं, करियर में तेजी आती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। कई बार इन्हें अचानक बड़े अवसर मिलते हैं, जो इनके जीवन की दिशा ही बदल देते हैं।

मूलांक 8 के जातक ईमानदार और जिम्मेदार माने जाते हैं। ये किसी भी काम को पूरे समर्पण के साथ करते हैं और अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करते। इनकी सबसे बड़ी ताकत इनका अनुशासन और न्यायप्रिय स्वभाव होता है। ये सही और गलत में फर्क करने की स्पष्ट समझ रखते हैं।

रिश्तों के मामले में भी ये लोग बेहद वफादार होते हैं। परिवार और दोस्तों के लिए हर कठिन समय में खड़े रहना इनकी खास पहचान होती है।

कुल मिलाकर मूलांक 8 का जीवन यह संदेश देता है कि सफलता देर से जरूर मिलती है, लेकिन जब मिलती है तो स्थायी होती है। संघर्ष इनके जीवन का हिस्सा है, लेकिन यही संघर्ष इन्हें असाधारण ऊंचाइयों तक पहुंचाने का माध्यम बनता है।

सम्पादकीय

नीट पेपर लीक से फिर हिला पूरा देश

नीट यूजी 2026 को लेकर उठे कथित पेपर लीक और "गेस पेपर" विवाद ने एक बार फिर पूरे देश को सोचने पर मजबूर कर दिया है। यह सिर्फ एक परीक्षा का मामला नहीं रहा, बल्कि भारत की उस भरोसेमंद व्यवस्था पर सवाल बन गया है, जिस पर लाखों छात्र अपने सपनों की नींव रखते हैं।

देश के हर कोने–गांवों से लेकर बड़े शहरों तक–जहां एक छात्र नीट की तैयारी कर रहा है, वहां आज एक ही सवाल गूंज रहा है: क्या मेहनत से ज्यादा अब नेटवर्क काम कर रहा है? 150 पन्नों के कथित दस्तावेज और उसमें 120 सवालों के असली परीक्षा से मेल खाने के दावे ने प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता पर गंभीर बहस छेड़ दी है।

पवन गौतम
संपादक

सोचिए, एक छात्र सालों तक कोचिंग, अभ्यास परीक्षा और रातों की मेहनत में खुद को झोंक देता है, और उसी बीच अगर कोई "लीक या वायरल पेपर" की चर्चा उसे मानसिक रूप से हिला दे, तो इसका असर सिर्फ एक परीक्षा तक सीमित नहीं रहता। यह उसके आत्मविश्वास, उसके परिवार की उम्मीदों और पूरे समाज की आस्था पर असर डालता है।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

व्हाट्सऐप और टेलीग्राम जैसे माध्यम आज शिक्षा के साथ–साथ सूचना के सबसे बड़े साधन बन चुके हैं, लेकिन यही माध्यम अगर गलत इस्तेमाल में आ जाएं तो यह अफवाह और असुरक्षा का सबसे बड़ा स्रोत भी बन जाते हैं। कथित "बार–बार भेजा गया" वाले संदेश ने दिखाया कि कैसे एक फाइल कुछ ही घंटों में देशभर के छात्रों तक पहुंच सकती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अगर वास्तव में परीक्षा से जुड़े प्रश्नों का पहले से अंदाजा किसी समूह तक पहुंच गया हो, तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं बल्कि करोड़ों छात्रों के भविष्य के साथ अन्याय है। भारत जैसे देश में, जहां मेडिकल सीटें सीमित हैं और प्रतियोगिता करोड़ों छात्रों के बीच है, वहां परीक्षा की शुचिता सिर्फ एक प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि राष्ट्रीय भरोसे का सवाल है। यह समय सिर्फ जांच और आरोपों का नहीं, बल्कि व्यवस्था को मजबूत करने, डिजिटल सुरक्षा बढ़ाने और परीक्षा प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाने का है। क्योंकि अगर परीक्षा पर भरोसा टूटता है, तो सिर्फ एक परीक्षा नहीं, बल्कि एक पूरा भविष्य डगमगाता है।

नजरिया

विजय का पहला फैसला बना तमिलनाडु की सबसे बड़ी सियासी हलचल

बोध प्रकाश सगुणी

तमिलनाडु की राजनीति में लंबे समय से जिस बदलाव की चर्चा हो रही थी, वह आखिरकार सत्ता की कुर्सी तक पहुँच गया। अभिनेता से नेता बने विजय ने मुख्यमंत्री पद संभालते ही ऐसे फैसले लिए हैं, जिन्होंने न केवल चेन्नई बल्कि दिल्ली तक की राजनीतिक हलचल को तेज कर दिया है। राजनीति में अक्सर कहा जाता है कि किसी नेता की असली पहचान उसके पहले फैसले से होती है। विजय ने भी अपनी पहली ही पारी में ऐसा करिश्मा कर दिखाया है, जिसने विरोधियों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। मुख्यमंत्री बनते ही विजय ने महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और नशे के खिलाफ अभियान छेड़ने का जो संकेत दिया है, वह केवल प्रशासनिक आदेश नहीं बल्कि एक राजनीतिक संदेश भी है। यह संदेश साफ है कि नई सरकार केवल घोषणाओं की राजनीति नहीं करेगी, बल्कि जमीनी बदलाव लाने की कोशिश करेगी।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए "सिंगा पेन सिराप्पु नशा विरोधी विशेष बल" का गठन विजय सरकार का सबसे बड़ा और सबसे साहसी कदम माना जा रहा है। यह केवल एक पुलिस इकाई नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का अभियान है। आज देशभर में महिलाओं की सुरक्षा सबसे बड़ा राजनीतिक और सामाजिक मुद्दा बन चुका है। हर चुनाव में इसकी चर्चा होती है, लेकिन सत्ता में आने के बाद अक्सर सरकारें फाइलों में उलझ जाती हैं। विजय ने शुरुआत में ही यह स्पष्ट कर दिया कि उनकी प्राथमिकता कानून व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा होगी। इस नई इकाई की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें बड़ी संख्या में महिला पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया है। यह फैसला केवल प्रतीकात्मक नहीं है। महिलाओं से जुड़े अपराधों में पीड़ित अक्सर पुलिस तंत्र पर भरोसा नहीं कर पातीं। ऐसे में महिला अधिकारियों की मौजूदगी शिकायत दर्ज कराने से लेकर कार्रवाई तक विश्वास पैदा करेगी। विजय ने समझ लिया है कि सुरक्षा केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि विश्वास का भी प्रश्न है। विजय सरकार का दूसरा बड़ा आदेश सरकारी शराब दुकानों को बंद करने का है। पूजा स्थलों, स्कूलों, महाविद्यालयों और बस अड्डों के 500 मीटर दायरे में मौजूद 717 सरकारी शराब दुकानों को दो सप्ताह के भीतर बंद करने का आदेश केवल प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि सामाजिक सुधार की दिशा में उठाया गया कदम है। तमिलनाडु में सरकारी शराब बिक्री लंबे समय से राजनीतिक बहस का विषय रही है। राज्य सरकार की आय का बड़ा हिस्सा शराब बिक्री से आता है। ऐसे में कोई भी सरकार इस व्यवस्था को छेड़ने से डरती रही है। लेकिन विजय ने सत्ता संभालते ही उस मुद्दे पर चोट की है, जिसे पिछले कई वर्षों से राजनीतिक दल केवल चुनावी भाषणों तक सीमित रखते आए थे। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका सीधा असर युवाओं और गरीब परिवारों पर पड़ेगा। स्कूलों और महाविद्यालयों के आसपास शराब की दुकानों की मौजूदगी लंबे समय से सामाजिक संगठनों और अभिभावकों की चिंता का विषय रही है। विजय ने इसी चिंता को राजनीतिक अवसर में बदल दिया है।

हालांकि आलोचक यह भी कह रहे हैं कि केवल दुकानें बंद करने से समस्या खत्म नहीं होगी। अवैध शराब और नशीले पदार्थों का जाल कहीं अधिक खतरनाक रूप ले सकता है। लेकिन यह भी सच है कि किसी भी बड़े बदलाव की शुरुआत कठोर फैसलों से ही होती है। विजय ने कम से कम यह दिखा दिया है कि उनकी सरकार कठिन निर्णय लेने से पीछे नहीं हटेगी। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो विजय का यह कदम बेहद रणनीतिक है। तमिलनाडु की राजनीति लंबे समय से क्षेत्रीय दलों के इर्द–गिर्द घूमती रही है। ऐसे में विजय को अपनी अलग पहचान बनानी थी। उन्होंने विकास या उद्योग जैसे पारंपरिक मुद्दों के बजाय सीधे सामाजिक न्याय और सुरक्षा को केंद्र में रखकर अपनी राजनीति की दिशा तय कर दी है। दिल्ली तक इस फैसले की चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि विजय का राजनीतिक उभार केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं माना जा रहा। दक्षिण भारत में क्षेत्रीय राजनीति का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है और राष्ट्रीय दलों के लिए यह चिंता का विषय है। विजय के फैसले यह संकेत देते हैं कि वह केवल लोकप्रिय अभिनेता नहीं, बल्कि गंभीर राजनीतिक खिलाड़ी बनने की तैयारी में हैं। उनकी शैली भी पारंपरिक नेताओं से अलग दिखाई दे रही है। आमतौर पर नई सरकारें शुरुआती दिनों में संतुलन बनाने और विवादों से बचने की कोशिश करती हैं। लेकिन विजय ने शुरुआत से ही आक्रामक और निर्णायक नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। इससे उनके समर्थकों में उत्साह बढ़ा है, जबकि विरोधियों में बेचैनी। महिलाओं की सुरक्षा और नशे के खिलाफ अभियान को लेकर समाज के कई वर्गों में सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखाई दे रही है। खासकर मध्यमवर्गीय परिवारों और महिलाओं के बीच विजय की लोकप्रियता तेजी से बढ़ सकती है। यही वह वर्ग है, जो चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाता है। लेकिन चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। सरकारी शराब दुकानों को बंद करने से राज्य की आय पर असर पड़ेगा। सरकार को इसके विकल्प तलाशने होंगे। इसके अलावा, नशा विरोधी विशेष बल को केवल कागज़ी इकाई बनने से रोकना भी बड़ी चुनौती होगी। भारत में कई विशेष बल शुरुआत में चर्चा बटोरते हैं, लेकिन समय के साथ उनकी प्रभावशीलता कम हो जाती है। विजय सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि यह बल वास्तव में जमीनी स्तर पर परिणाम दे। एक और महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या विजय अपनी लोकप्रियता को स्थायी राजनीतिक शक्ति में बदल पाएंगे? फिल्मों में जनता का प्यार चुनावी सफलता दिला सकता है, लेकिन शासन चलाने के लिए प्रशासनिक कौशल और राजनीतिक धैर्य की जरूरत होती है। अभी तक विजय ने जो संकेत दिए हैं, वे उम्मीद जगाने वाले हैं। लेकिन असली परीक्षा आने वाले महीनों में होगी। फिर भी यह मानना पड़ेगा कि विजय ने अपने पहले फैसलों से राजनीति में नई ऊर्जा भर दी है। लंबे समय बाद किसी मुख्यमंत्री ने सत्ता संभालते ही सामाजिक मुद्दों पर इतनी तेज और स्पष्ट कार्रवाई की है। यही कारण है कि उनके फैसलों को पहली ही पारी में बड़ी सफलता कहा जा रहा है। तमिलनाडु की जनता अब केवल घोषणाएं नहीं, परिणाम देखना चाहती है। यदि विजय महिलाओं की सुरक्षा में सुधार, नशीले पदार्थों के जाल पर नियंत्रण और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने में सफल रहते हैं, तो वह केवल एक लोकप्रिय अभिनेता नहीं, बल्कि दक्षिण भारत की राजनीति के नए केंद्र बन सकते हैं। राजनीति में प्रतीकों की बड़ी भूमिका होती है। विजय ने अपने पहले ही फैसलों से यह प्रतीक गढ़ दिया है कि उनकी सरकार पूरी सक्रियता के साथ काम कर रही है। अब देखना यह होगा कि यह आक्रामक शुरुआत स्थायी बदलाव में बदलती है या केवल शुरुआती उत्साह बनकर रह जाती है। लेकिन फिलहाल इतना तय है कि तमिलनाडु में नई राजनीति का अध्याय शुरू हो चुका है, और उसकी गूंज दिल्ली तक सुनाई दे रही है।

विचार पिण्डो

बिना बिजली के घर ठंडा करेगी नई नेस्कोड तकनीक

दिव्यांशी भदौरिया

बढ़ती गर्मी और बिजली की खपत आज दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। शहरों में तापमान लगातार बढ़ रहा है और गांवों से लेकर महानगरों तक लोग गर्मी से बेहाल हैं। ऐसे समय में एयर कंडीशनर यानी एसी राहत तो देता है, लेकिन इसके साथ भारी बिजली बिल और पर्यावरण पर दबाव भी बढ़ता है। इसी समस्या का समाधान खोजने के लिए वैज्ञानिक लगातार नई तकनीकों पर काम कर रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के बीच सामने आई है एक नई और चर्चित तकनीक, जिसका नाम नेस्कोड बताया जा रहा है।

यह तकनीक बिना बिजली के ठंडक देने का दावा करती है, जो इसे बेहद खास बनाती है। आमतौर पर ठंडक के लिए मोटर, कंप्रेसर और भारी मशीनों की जरूरत होती है, लेकिन नेस्कोड में ऐसा नहीं है। यह एक रासायनिक प्रक्रिया पर आधारित है, जिसमें विशेष पदार्थों के मेल से तापमान को कम किया जाता है। यही कारण है कि इसे भविष्य की शीतलन तकनीक के रूप में देखा जा रहा है।

नेस्कोड एक ऐसी अवधारणा है जिसमें बिना बिजली के ठंडक उत्पन्न करने का प्रयास किया गया है। इसमें मुख्य भूमिका अमोनियम नाइट्रेट नामक रसायन की है, जिसे पानी में घोलने पर एक विशेष प्रतिक्रिया होती है। यह प्रतिक्रिया आसपास की गर्मी को सोख लेती है, जिससे तापमान तेजी से गिरता है।

इस प्रक्रिया को एंडोथर्मिक कहा जाता है, जिसका मतलब होता है कि कोई प्रक्रिया अपने आसपास की ऊर्जा यानी गर्मी को खींच लेती है। यही सिद्धांत नेस्कोड तकनीक की नींव है। परीक्षणों में देखा गया है कि यह मिश्रण कुछ ही मिनटों में तापमान को काफी हद तक कम कर सकता है।

इस तकनीक में जब अमोनियम नाइट्रेट को पानी में मिलाया जाता है, तो वह अपने आसपास की गर्मी को अवशोषित करता है। इससे वातावरण ठंडा होने लगता है। यह प्रक्रिया किसी मशीन पर निर्भर नहीं करती, बल्कि केवल रासायनिक संतुलन पर आधारित होती है।

इसके बाद एक और प्रक्रिया होती है, जिसमें पानी को फिर से अलग किया जा सकता है और रसायन को पुनः उपयोग में लाया जा सकता है। इससे यह प्रणाली बार–बार इस्तेमाल की जा सकती है और इसे टिकाऊ भी माना जाता है।

दुनिया में बिजली की खपत का एक बड़ा हिस्सा शीतलन उपकरणों पर खर्च होता है। एसी और कूलर जैसे उपकरण भारी मात्रा में बिजली लेते हैं। इसके कारण बिजली ग्रिड पर दबाव बढ़ता है और कई जगह बिजली कटौती की समस्या भी पैदा होती है। नेस्कोड जैसी तकनीकें इस समस्या

को कम करने में मदद कर सकती हैं क्योंकि इसमें बिजली की जरूरत बहुत कम या बिल्कुल नहीं होती। यदि यह तकनीक बड़े स्तर पर सफल हो जाती है, तो यह ऊर्जा बचत में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। एयर कंडीशनर केवल बिजली की खपत नहीं बढ़ाते, बल्कि पर्यावरण पर भी नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। इनमें इस्तेमाल होने वाली गैसें ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाती हैं। इसके अलावा, शहरी क्षेत्रों में एसी से निकलने वाली गर्म हवा आसपास के तापमान को और बढ़ा देती है। नेस्कोड तकनीक इस समस्या का समाधान पेश कर सकती है क्योंकि इसमें किसी प्रकार की हानिकारक गैसों का उपयोग नहीं होता। यह पूरी तरह रासायनिक प्रक्रिया पर आधारित है, जिससे प्रदूषण का स्तर भी कम हो सकता है।

भारत जैसे देश में कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं, जहां बिजली की सुविधा सीमित है। गर्मियों में वहां जीवन और कठिन हो जाता है। यदि बिना बिजली के ठंडक देने वाली तकनीक विकसित हो जाती है, तो यह ग्रामीण जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है।

इस तकनीक से छोटे घरों, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों में भी ठंडक उपलब्ध कराई जा सकती है। इससे बच्चों की पढ़ाई और मरीजों के इलाज में भी सुधार हो सकता है। नेस्कोड तकनीक का उपयोग केवल घरों को ठंडा करने तक सीमित नहीं है। इसका उपयोग दवाइयों और टीकों को सुरक्षित रखने में भी किया जा सकता है। कई बार दूरदराज के इलाकों में बिजली की कमी के कारण दवाइयां खराब हो जाती हैं। इस तकनीक की मदद से बिना बिजली के भी आवश्यक तापमान बनाए रखा जा सकता है। इसके अलावा, भोजन को लंबे समय तक सुरक्षित रखने में भी यह तकनीक मददगार हो सकती है। हालांकि यह तकनीक बेहद आकर्षक लगती है, लेकिन इसके साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। अमोनियम नाइट्रेट एक संवेदनशील रसायन माना जाता है, इसलिए इसके सुरक्षित उपयोग पर ध्यान देना जरूरी है।

इसके अलावा, बड़े स्तर पर इस तकनीक को लागू करने के लिए लागत, सुरक्षा और स्थायित्व जैसे मुद्दों पर गहन शोध की आवश्यकता होगी। यह भी देखना होगा कि क्या यह तकनीक लंबे समय तक स्थिर प्रदर्शन दे सकती है या नहीं।

यदि नेस्कोड तकनीक सफल होती है, तो यह शीतलन उद्योग में एक बड़ा बदलाव ला सकती है। आज जहां लोग एसी पर निर्भर हैं, वहीं भविष्य में वे ऐसी तकनीकों की ओर बढ़ सकते हैं जो कम खर्चीली और पर्यावरण के अनुकूल हों।

वैज्ञानिक मानते हैं कि आने वाले वर्षों में ऊर्जा बचाने वाली तकनीकों की मांग और बढ़ेगी। ऐसे में नेस्कोड जैसी खोजें दुनिया के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकती हैं। नेस्कोड तकनीक केवल एक प्रयोग नहीं बल्कि भविष्य की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। यह तकनीक दिखाती है कि विज्ञान कैसे सरल रासायनिक प्रक्रियाओं से बड़ी समस्याओं का समाधान खोज सकता है।

हालांकि अभी इसे पूरी तरह व्यावहारिक स्तर पर साबित होना बाकी है, लेकिन इसकी संभावनाएं बेहद बड़ी हैं। यदि यह सफल होती है, तो आने वाले समय में लोग बिना बिजली के भी ठंडक का आनंद ले सकेंगे और पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह तकनीक इस बात का संकेत है कि भविष्य में ऊर्जा की खपत कम करने और टिकाऊ विकास की दिशा में विज्ञान लगातार नए रास्ते खोल रहा है।

मुंबई इंडियंस में कप्तानी को लेकर बड़ा विवाद

हार्दिक पंड्या की कप्तानी पर उठे लगातार सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन इस सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और केवल तीन ही मैच जीत पाई है। ऐसे में कप्तान हार्दिक पंड्या की नेतृत्व क्षमता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों के बीच यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या टीम को एक बार फिर कप्तानी में बदलाव करना चाहिए।

सीजन की शुरुआत में मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंड्या को कप्तानी सौंपी थी, जिससे काफी विवाद भी हुआ था। उस समय इस फैसले को लेकर सोशल मीडिया से लेकर क्रिकेट जगत तक बहस छिड़ गई थी। अब जबकि टीम का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा, आलोचनाएं और तेज हो गई हैं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भी इस मुद्दे पर बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि मुंबई इंडियंस को अपने नेतृत्व पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जसप्रीत बुमराह को कप्तानी का मौका दिया जा सकता है, क्योंकि वह खेल की गहरी समझ रखते हैं और दबाव में बेहतर निर्णय लेने की क्षमता रखते हैं।

मांजरेकर ने यह भी कहा कि आईपीएल में कप्तानी का दबाव टेस्ट क्रिकेट की तुलना में कम होता है, जिससे बुमराह जैसे खिलाड़ी बेहतर तरीके से टीम को संभाल सकते हैं। उन्होंने यह भी तंज कसा कि जब हार्दिक पंड्या को टीम में शामिल किया गया था, तब रणनीतिक रूप से कई अन्य फैसले भी साथ में लिए जाने चाहिए थे, जो नहीं हुए। दूसरी ओर, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि केवल

विशेषज्ञों ने बुमराह को कप्तान बनाने का सुझाव दिया

फ्रेंचाइजी के फैसले पर फैंस में गुस्सा बढ़ा

कप्तान बदलने से टीम की समस्या हल नहीं होगी। मुंबई इंडियंस की असली परेशानी टीम संयोजन और लगातार खराब प्रदर्शन है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में निरंतरता की कमी साफ नजर आई है। फिलहाल मुंबई इंडियंस के सामने सबसे बड़ी चुनौती अगले सीजन के लिए सही रणनीति तैयार करना है। टीम प्रबंधन को यह तय करना होगा कि वह हार्दिक पंड्या के साथ आगे बढ़ना चाहता है या नेतृत्व में बदलाव करेगा। आने वाले समय में यह फैसला फ्रेंचाइजी के भविष्य की दिशा तय कर सकता है।

तृषा कृष्णन पर फिर बरसीं सिंगर सुचित्रा

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों अभिनेता विजय और अभिनेत्री तृषा कृष्णन को लेकर चर्चाएं तेज हैं। इसी बीच मशहूर सिंगर सुचित्रा ने एक बार फिर तृषा पर निशाना साधा है। विजय के मुख्यमंत्री पद की शपथ समारोह में तृषा की मौजूदगी को लेकर सुचित्रा ने सोशल मीडिया पर नाराजगी जाहिर की।

सुचित्रा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में विजय की पत्नी संगीता और उनके बच्चों का जिक्र करते हुए कहा कि तृषा को ऐसे सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होने से पहले परिवार की भावनाओं के बारे में सोचना चाहिए था। उन्होंने दावा किया कि विजय और उनकी पत्नी के रिश्तों में पहले से तनाव

विजय संग दिखने पर उठाए सवाल

चल रहा है और ऐसे समय में तृषा की मौजूदगी कई सवाल खड़े करती है। हालांकि इससे पहले सुचित्रा विजय और तृषा का समर्थन भी कर चुकी थीं।

उन्होंने कहा था कि दोनों सिर्फ अच्छे दोस्त हो सकते हैं और हर रिश्ते को गलत नजर से नहीं देखना चाहिए। लेकिन अब उनके लगातार बदलते बयानों ने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है। विजय और तृषा की बढ़ती नजदीकियों की खबरें पहले से चर्चा में थीं, लेकिन अब सुचित्रा के बयानों ने इस विवाद को और हवा दे दी है।

संजय कपूर संपत्ति विवाद पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

कोर्ट बोला–महाभारत से बड़ा बनता जा रहा विवाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर चल रहा पारिवारिक विवाद अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने ऐसी टिप्पणी की, जिसने पूरे केस को सुर्खियों में ला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह विवाद अब ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जहां "महाभारत भी छोटी लगने लगेगी।" दरअसल, संजय कपूर की मां रानी कपूर ने सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका दाखिल की है। उन्होंने प्रिया सचदेव

कपूर और अन्य लोगों पर आरके फैमिली ट्रस्ट के कामकाज में दखल देने का आरोप लगाया है। साथ ही 18 मई को प्रस्तावित बोर्ड मीटिंग पर रोक लगाने की मांग की है। रानी कपूर का कहना है कि इस मीटिंग के जरिए ट्रस्ट और परिवार की संपत्ति से जुड़े बड़े फैसले लिए जा सकते हैं, जिससे विवाद और बढ़ सकता है।

सुनवाई के दौरान जस्टिस जेबी परदीवाला की बेंच ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 14 मई को अगली सुनवाई तय की। कोर्ट की टिप्पणी के बाद यह मामला देशभर में चर्चा का विषय बन गया है।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 7 मई को इस पूरे विवाद को मध्यस्थता के लिए भेजा था। पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को मध्यस्थ नियुक्त किया गया है। अदालत ने तब कहा था कि यह पारिवारिक मामला है और इसे सार्वजनिक तमाशा बनने से बचाया जाना चाहिए। रानी कपूर ने यह भी आरोप लगाया है कि 2017 में ब्रेन स्ट्रोक के बाद उनकी स्वास्थ्य स्थिति का फायदा उठाकर फैमिली ट्रस्ट से जुड़े दस्तावेजों में बदलाव किए गए। उन्होंने ट्रस्ट को कानूनी रूप से अमान्य घोषित करने की मांग भी की है। अब सभी की नजर 14 मई की सुनवाई पर टिकी है, जहां बोर्ड मीटिंग और ट्रस्ट नियंत्रण को लेकर बड़ा फैसला सामने आ सकता है।

बिना स्टार वाला हरियाणवी सुपरहिट गाना 'बैरण' इंटरनेट पर छाया

यूनिक समय, नई दिल्ली। इन दिनों सोशल मीडिया और यूट्यूब पर एक हरियाणवी गाना जबरदस्त तरीके से ट्रेंड कर रहा है। खास बात यह है कि इस गाने में न कोई बड़ा फिल्म स्टार है और न ही यह किसी फिल्म का हिस्सा है। इसके बावजूद यह गाना व्यूज के मामले में कई बड़े फिल्मी गानों को पीछे छोड़ चुका है। इस वायरल गाने का नाम 'बैरण' है, जिसने केवल दो महीनों में करोड़ों दर्शकों का दिल जीत लिया।

'बैरण' को यूट्यूब चैनल 'बंजारा' पर रिलीज किया गया था। रिलीज के बाद से ही यह गाना लगातार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर छाया हुआ है। अब तक इसे 148 मिलियन यानी 14 करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इंस्टाग्राम रील्स और शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म्स पर भी यह गाना तेजी से वायरल हो रहा है। इस गाने की सबसे अनोखी बात इसका एनिमेटेड म्यूजिक वीडियो है। आमतौर पर बड़े बजट और स्टारकास्ट वाले गाने ट्रेंड करते हैं, लेकिन 'बैरण' ने बिना किसी बड़े चेहरे के लोकप्रियता हासिल कर सबको चौंका दिया। गाने का म्यूजिक, बोल और

दो महीनों में गाने को मिले करोड़ों व्यूज

एनिमेटेड लव स्टोरी ने दर्शकों का दिल जीत लिया

इमोशनल कहानी लोगों को काफी पसंद आ रही है। मेकर्स सुमित और अनुज ने बताया कि शुरुआत में उन्होंने इसका लाइव वीडियो शूट किया था, लेकिन संतोषजनक परिणाम नहीं मिलने के बाद उन्होंने इसे एनिमेशन के जरिए तैयार किया। बिना ज्यादा प्रमोशन के अपलोड किया गया यह गाना अब 2026 के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले म्यूजिक वीडियोज में शामिल हो चुका है।

पंजाब किंग्स की प्लेऑफ राह हुई कठिन

लगातार हार से टीम पर बढ़ा दबाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के अंतिम चरण में पंजाब किंग्स की स्थिति लगातार चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। पिछले सीजन की फाइनलिस्ट टीम इस बार प्लेऑफ की दौड़ में संघर्ष करती नजर आ रही है। लगातार चार हार के बाद टीम के सामने अब सिर्फ तीन मुकाबले बचे हैं, जिससे उसके लिए टॉप-4 में जगह बनाना और भी कठिन हो गया है।

टीम के पास इस समय 13 अंक हैं और नेट रन रेट भी सकारात्मक (+0.428) बना हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, पंजाब किंग्स अभी अंक तालिका में चौथे स्थान के आसपास बनी हुई है, लेकिन उसके नीचे और ऊपर की टीमों के बीच अंतर बेहद कम है, जिससे हर मुकाबला निर्णायक बन चुका है। अगर टीम अपने बचे हुए तीन मैचों में से कम से कम दो जीत हासिल

करती है, तो उसके 18 अंक हो जाएंगे, जो आमतौर पर प्लेऑफ के लिए पर्याप्त माने जाते हैं।

पंजाब किंग्स को अब अपने अगले मुकाबलों में मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपरजायंट्स जैसी मजबूत टीमों का सामना करना है। इनमें से दो मैच धर्मशाला में खेले जाएंगे, जहां हाल ही में टीम को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में घरेलू परिस्थितियों का लाभ उठाना भी टीम के लिए जरूरी होगा।

दूसरी ओर, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस जैसी टीमें प्लेऑफ के बेहद करीब पहुंच चुकी हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमें भी अब जोरदार वापसी कर रही हैं, जिससे टॉप-4 की जंग और ज्यादा रोमांचक हो गई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर पंजाब किंग्स अपनी रणनीति में सुधार करती है और दबाव में अच्छा प्रदर्शन करती है, तो वह अभी भी प्लेऑफ में जगह बना सकती है। लेकिन एक और हार उसके लिए स्थिति लगभग समाप्त कर सकती है।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हालिया हार ने टीम की चिंता और बढ़ा दी है, हालांकि अभी भी गणितीय रूप से उसके पास मौका मौजूद है। अब सब कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि पंजाब किंग्स अपने बचे हुए मुकाबलों में कैसा प्रदर्शन करती है और क्या वह दबाव को अवसर में बदल पाती है या नहीं।

आगरा : यमुना में नहाने गए छह बच्चे डूबे, चार की मौत

यूनिक समय, आगरा। थाना कमला नगर क्षेत्र स्थित बल्केश्वर घाट पर आज सुबह भीषण गर्मी के बीच यमुना नदी में नहाने गए छह बच्चे गहरे पानी में डूब गए। हादसे में चार की मौत हो गई, जबकि दो को सुरक्षित बचा लिया गया। घटना के बाद घाट पर अफरा–तफरी मच गई और परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस, राहत टीम और स्थानीय गोताखोर मौके पर पहुंचे और घंटों तक बचाव अभियान चलाया गया।

एत्माद्दौला के विद्यापुरम निवासी सौरभ की बेटी नित्या का जन्मदिन सोमवार रात मनाया गया था। कार्यक्रम में रिश्तेदारी से कई बच्चे आए हुए थे। मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे महक (19) पुत्री कालीचरण, कान्हा (22) पुत्र रिंकू सिंह, अंशु (20) पुत्री कालीचरण निवासी कुंजनपुर थाना सादाबाद, रिया (17) पुत्री मनोज निवासी तारसी थाना हाईवे मथुरा, विक्की (11) पुत्र राकेश तथा काजल (17) निवासी विद्यापुरम एत्माद्दौला बल्केश्वर मंदिर के सामने यमुना नदी में नहाने पहुंचे थे। सूचना मिलते ही थाना कमला नगर पुलिस, राहत टीम और गोताखोर मौके पर पहुंच गए। काफी मशक्कत के बाद महक, कान्हा, अंशु, रिया और काजल को नदी से बाहर निकाल लिया गया। गंभीर हालत में सभी को एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी भेजा गया, जहां उपचार के दौरान महक, कान्हा और रिया ने दम तोड़ दिया। वहीं अंशु और काजल की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। उधर 11 वर्षीय विक्की नदी में लापता हो गया था। पुलिस और गोताखोरों ने करीब पांच घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया, जिसके बाद उसका शव बरामद कर लिया गया। शव बाहर निकलते ही परिजनों में चीख–पुकार मच गई। मौके पर मौजूद लोग भी भावुक हो उठे। विक्की के पिता राकेश ने बताया कि चार बेटियों के बाद बड़ी मन्नतों से उन्हें बेटा हुआ था। जन्मदिन कार्यक्रम के बाद मंगलवार सुबह बच्चे बिना बताए यमुना में नहाने चले गए थे। बेटे की मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है। वहीं कान्हा के पिता रिंकू उर्फ आकाश वाहन चालक थे, जिनकी करीब नौ महीने पहले हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। अब परिवार ने कान्हा को भी खो दिया। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे परिवार को

बल्केश्वर घाट पर मचा हड़कंप

गहरे सदमे में डाल दिया है। घटना के दौरान मौजूद संध्या ने बताया कि वे लोग नदी के दूसरी ओर नहा रहे थे। इसी बीच कान्हा ने उन्हें बाहर खींचकर बचाया, लेकिन खुद गहरे पानी में चला गया। उसने बताया कि विक्की और रिया डूब गए थे, जबकि काजल भी उन्हें बचाने के प्रयास में डूबने लगी थी, जिसे बाद में बाहर निकाल लिया गया।

डीसीपी सिटी सैय्यद अली अब्बास ने बताया कि यमुना में डूबने से चार बच्चों की मौत हुई है, जबकि दो को सुरक्षित बचा लिया गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्रीय विधायक डॉ. धर्मपाल सिंह भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी।

साइको किलर रिटायर्ड फौजी एनकाउंटर में ढेर

यूनिक समय, चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में सनसनीखेज हत्याओं का आरोपी रिटायर्ड फौजी पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। आरोपी ने महज 26 घंटे के भीतर तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई थी। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 50 वर्षीय गुरप्रीत सिंह उर्फ वीरेंद्र के रूप में हुई है, जो पंजाब के अमृतसर का रहने वाला था।

जानकारी के मुताबिक, गुरप्रीत ने दो हत्याएं ट्रेन में और तीसरी हत्या चंदौली के एक निजी अस्पताल में की थी। अस्पताल में महिला की गोली मारकर हत्या करने के बाद वह भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन अस्पताल कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस पूछताछ में गुरप्रीत के व्यवहार को असामान्य बताया गया। शुरुआती जांच में सामने आया कि ट्रेन में हुई दो अन्य हत्याएं भी उसी ने की थीं। तीनों वारदातों में उसने बेहद करीब से कनपटी पर गोली मारकर हत्या की थी। हालांकि उसने इन हत्याओं को क्यों अंजाम दिया, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है।

26 घंटे में तीन हत्याओं से फैली इलाके में दहशत

पुलिस मुठभेड़ में मारा गया रिटायर्ड फौजी आरोपी

सीओ अरुण सिंह के अनुसार, पुलिस आरोपी को घटनास्थलों पर ले जाकर सीन रिक्रिएशन कर रही थी। इसी दौरान गुरप्रीत ने अचानक पुलिस टीम पर हमला कर भागने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें आरोपी की मौत हो गई। इस मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं।

पुलिस को आरोपी के पास से दो पिस्टल बरामद हुई हैं, जिनमें एक लाइसेंसी और दूसरी अवैध बताई जा रही है। जांच में यह भी सामने आया कि गुरप्रीत कुछ समय पहले बिहार के आरा में सुरक्षा गार्ड की नौकरी कर रहा था।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपी की मानसिक स्थिति के साथ उसके पुराने रिकॉर्ड की भी पड़ताल की जा रही है।

पीएम पर टिप्पणी के बाद सपा सांसद की बढ़ीं मुश्किलें

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के महोबा में समाजवादी पार्टी के सांसद अजेंद्र सिंह लोधी अपने विवादित बयान को लेकर मुश्किलों में घिर गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी के बाद पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में माहौल गर्म हो गया है और भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई जगह विरोध प्रदर्शन भी किए। जानकारी के अनुसार, सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट में बिजली कटौती, पेयजल संकट, स्मार्ट मीटर और फसल बीमा जैसे मुद्दों को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने मीडिया से बातचीत में प्रधानमंत्री पर तीखी टिप्पणी कर दी। भाजपा ने इसे देश के सर्वोच्च पद का अपमान बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई।

बयान सामने आने के बाद महोबा के आल्हा चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया और सांसद का पुतला फूंका। भाजपा नेताओं ने सांसद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस ने मामले में गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।

सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने केवल प्रधानमंत्री पर टिप्पणी ही नहीं की, बल्कि सरकार की कई नीतियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने स्मार्ट मीटर, ईवीएम और फसल बीमा योजना को लेकर आरोप लगाए और दावा किया कि प्रदेश में बदलाव की लहर चल रही है।

हालांकि विवाद बढ़ने के बावजूद सांसद अपने बयान पर कायम नजर आए। उन्होंने कहा कि वह सच बोलने से पीछे नहीं हटेंगे और विरोध से डरने वाले नहीं हैं। दूसरी ओर भाजपा लगातार इस मुद्दे को लेकर हमलावर बनी हुई है।

अब इस मामले में पुलिस जांच और राजनीतिक बयानबाजी दोनों तेज हो गई हैं, जिससे आने वाले दिनों में विवाद और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

टॉवर पर चढ़ी महिला ने पुलिस के उड़ाए होश

पति को छुड़ाने के लिए हाईवोल्टेज ड्रामा मचा हड़कंप

50 फीट ऊपर चढ़ी महिला, थमा ट्रैफिक

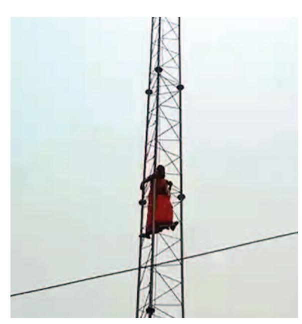

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर पुलिस कमिश्नर ऑफिस में मंगलवार को उस वक्त अफरा–तफरी मच गई, जब एक महिला अचानक 50 फीट ऊंचे वायरलेस टॉवर पर चढ़ गई। ऊपर पहुंचते ही उसने जोर–जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया– "मेरे पति को छोड़ दो, नहीं तो मैं कूद जाऊंगी!" देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और पूरा परिसर फिल्मी ड्रामे में बदल गया। महिला का पति पॉक्सो एक्ट में जेल में बंद है। महिला का आरोप है कि पुलिस और लड़के के परिवार वाले उस पर दबाव बना रहे हैं। स्टाफ ऑफिसर अमरनाथ यादव और बाद में अपर पुलिस आयुक्त विपिन ताडा भी मौके पर पहुंचे। दोनों लगातार महिला को समझाते रहे, लेकिन वह नीचे उतरने को तैयार नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पुलिस जैसे ही सीढ़ी लेकर आगे बढ़ती, महिला और ऊपर चढ़ जाती। महिला की मां ने बताया कि परिवार लंबे समय से तनाव में है और कोर्ट में बयान से पहले धमकियां भी मिल रही थीं। करीब एक घंटे तक चले हाई–वोल्टेज ड्रामे ने हर किसी की सांसें रोक दीं।

पीएम की अपील पर मायावती का हमला

आर्थिक संकट की जताई आशंका

यूनिक समय, लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया अपील पर केंद्र सरकार को घेरते हुए देश में गहराते आर्थिक संकट की चिंता जताई है। मायावती ने कहा कि लोगों से सोने की खरीद टालने और पेट्रोलियम पदार्थों का कम उपयोग करने की अपील इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में आर्थिक चुनौतियां और बढ़ सकती हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों, विशेषकर ईरान से जुड़े तनाव और ऊर्जा संकट के कारण देश की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। मायावती का कहना है कि इसका सीधा असर आम जनता, खासकर गरीब और मेहनतकश परिवारों पर पड़ेगा। बसपा प्रमुख ने कहा कि कोरोना काल के बाद से ही करोड़ों लोग रोजगार और महंगाई की मार झेल रहे हैं। ऐसे में आम लोगों के पास बचत या संयम बरतने की सीमित क्षमता बची है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से मांग की कि गरीब परिवारों को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि आर्थिक दबाव कम हो सके।

यूपी में मौसम का बड़ा बदलाव, 38 जिलों में अलर्ट

आंधी–तूफान और बारिश से कई जिलों में अफरा–तफरी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मंगलवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ले ली। पश्चिमी यूपी के कई जिलों में तेज आंधी, धूलभरी हवाओं और झमाझम बारिश ने जनजीवन प्रभावित कर दिया। मेरठ, बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, संभल और बिजनौर समेत करीब 10 जिलों में सुबह से काले बादल छा गए। कई इलाकों में दिन में ही अंधेरा जैसा माहौल बन गया।

बरेली में करीब 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। इससे सड़क किनारे लगे यूनिपोल उखड़ गए और कई जगह पेड़ों की टहनियां टूटकर सड़कों पर गिर गईं। प्रशासन को क्रेन की मदद से पोल और पेड़ों को हटाना पड़ा। मुरादाबाद में सुबह करीब आधे घंटे तक मूसलाधार बारिश हुई, जबकि मेरठ और मुजफ्फरनगर में तेज हवाओं के साथ बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। अमरोहा और संभल में भी बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने मंगलवार को प्रदेश के 38 जिलों में आंधी–तूफान और बारिश का अलर्ट जारी किया है। कुछ इलाकों में बिजली गिरने और ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, 12 और 13 मई तक मौसम में उतार–चढ़ाव बना रहेगा और तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। हवा की रफ्तार 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है।

14 मई से मौसम साफ होने लगेगा और गर्मी दोबारा तेज होगी। 15 से 17 मई के बीच प्रदेश में तेज धूप और भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि कई जिलों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता

अगले पांच दिन ऐसा रहेगा यूपी का मौसम

है। सोमवार को बांदा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, इस बार मानसून तय समय से करीब 4 दिन पहले केरल पहुंच सकता है।

बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र की वजह से मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। हालांकि निजी एजेंसी स्काईमेट ने इस साल सामान्य से 6 प्रतिशत कम बारिश का अनुमान जताया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अल–नीनो की स्थिति बनने से मानसून कमजोर पड़ सकता है, जिसका असर उत्तर प्रदेश पर भी दिखाई दे सकता है।

एसएन मेडिकल कॉलेज में बनेगा हाईटेक चिल्ड्रेन हॉस्पिटल

यूनिक समय, आगरा। आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में जल्द ही 200 बेड का एडवांस चिल्ड्रेन हॉस्पिटल बनने जा रहा है। आठ मंजिला इस आधुनिक अस्पताल के निर्माण को मंजूरी मिल गई है और लोक निर्माण विभाग ने सर्वे शुरू कर दिया है। अस्पताल लेडी लॉयल परिसर में बनाया जाएगा, जिसकी लागत 70 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। अस्पताल में बच्चों के इलाज, जांच और ऑपरेशन की सभी सुविधाएं एक ही भवन में उपलब्ध होंगी। इसमें 150 बेड सामान्य वार्ड और 50 बेड नवजात सघन चिकित्सा इकाई के लिए होंगे। अस्थमा, टीबी और एलर्जी जैसी बीमारियों के इलाज के लिए ब्रोंकोस्कॉपी लैब बनाई जाएगी, जबकि पेट संबंधी बीमारियों की जांच के लिए एंडोस्कोपी लैब भी होगी। इसके अलावा दो मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और बाल रोग ओपीडी भी इसी भवन में संचालित होगी। कॉलेज प्रशासन के अनुसार अगले साल दिसंबर तक परियोजना तैयार होने की उम्मीद है।

असम में फिर चला हिमंत का जादू, दूसरी बार मुख्यमंत्री बने

पीएम मोदी की मौजूदगी में हिमंत ने ली शपथ

असम में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने एक बार फिर सत्ता में वापसी कर ली है। गुवाहाटी के खानापारा में आयोजित भव्य समारोह में हिमंत बिस्व सरमा ने लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई वरिष्ठ नेता और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और इलाके को हाई सिक्योरिटी जोन में तब्दील कर दिया गया था।

शपथ ग्रहण समारोह केवल राजनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एनडीए के शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा गया। हालिया विधानसभा चुनाव में विकास, कानून–व्यवस्था और मजबूत संगठनात्मक रणनीति के दम पर गठबंधन ने लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में सफलता हासिल की है। हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने राज्य में अपनी पकड़ और मजबूत की है। मुख्यमंत्री के साथ चार नवनिर्वाचित विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इनमें रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोरो और अजंता नियोग शामिल हैं। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सभी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इन नेताओं के मंत्रिमंडल में शामिल होने से विभिन्न क्षेत्रों और सहयोगी दलों को प्रतिनिधित्व मिलने का संदेश गया है।

समारोह में विदेशी मेहमानों की मौजूदगी भी चर्चा का विषय रही। भारत में

तीन दलों के चार विधायक बने मंत्री

अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने समारोह में शामिल होने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि अमेरिका और असम के बीच पहले से मजबूत व्यापारिक संबंध हैं और हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच नए अवसरों की तलाश की जाएगी।

राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, हिमंत बिस्व सरमा का दोबारा मुख्यमंत्री बनना भाजपा के लिए पूर्वोत्तर में बड़ी राजनीतिक सफलता माना जा रहा है। आने वाले समय में राज्य में विकास परियोजनाओं, निवेश और बुनियादी ढांचे पर सरकार का विशेष फोकस रहने की संभावना है।

राहुल गांधी ने लगाये भाजपा और हाईकोर्ट पर मिलीभगत के आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल को मुख्य सचिव बनाए जाने के बाद राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। इस फैसले पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा और चुनाव आयोग पर मिलीभगत का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, "जितनी बड़ी चोरी, उतना बड़ा इनाम," और कहा कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग के बीच सांठगांठ है, जिससे लोकतंत्र प्रभावित हो रहा है। सरकारी अधिसूचना के अनुसार, 1990 बैच के आईएएस अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल, जो पहले मुख्य निर्वाचन अधिकारी और गृह विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव थे, को राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर विपक्ष का कहना है कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर पहले से ही सवाल उठते रहे हैं, खासकर मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया को लेकर। वहीं भाजपा ने इन आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया है।

जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग में मदरसे में लगी भीषण आग

12 वर्षीय छात्र की मौत, तीन की हालत गंभीर

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग जिले में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां एक मदरसे में लगी भीषण आग में 12 वर्षीय छात्र की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य छात्र गंभीर रूप से झुलस गए। यह घटना अनंतनाग के कोर्ट रोड स्थित फैजान बाबा हैदर ऋषि दारुल उलूम में हुई। हादसे के बाद इलाके में अफरा–तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

अधिकारियों के अनुसार, आग देर रात 11 और 12 मई के बीच लगी। उस समय मदरसे में मौजूद छात्र गहरी नींद में थे। अचानक आग भड़कने से पूरे परिसर में धुआं फैल गया और छात्र उसमें फंस गए। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां बिलाल अहमद नामक 12 वर्षीय छात्र ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बाकी तीन छात्रों का इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, झुलसे हुए छात्रों की हालत पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती तौर पर आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन

12 वर्षीय छात्र ने इलाज के दौरान दम तोड़ा

शॉर्ट सर्किट सहित अन्य संभावित कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें घटनास्थल का निरीक्षण कर रही हैं। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने मदरसों और छात्रावासों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है।

पाकिस्तान पर अमेरिका को धोखा देने का आरोप, ईरानी विमानों को दी पनाह

ट्रंप के करीबी भड़के: पाकिस्तान की हरकत पर हो सकता है बड़ा पुनर्मूल्यांकन

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान एक बार फिर विवादों में घिर गया है। अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता का दावा कर रहे पाकिस्तान पर आरोप लगा है कि उसने अमेरिकी हवाई हमलों से बचाने के लिए ईरानी विमानों को अपने एयरफील्ड्स पर पनाह दी। इस खबर के सामने आने के बाद अमेरिका में भी नाराजगी बढ़ गई है।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान ने ईरान के कुछ सैन्य और खुफिया विमानों को अपने एयरबेस पर खड़ा करने की अनुमति दी थी। बताया जा रहा है कि अप्रैल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सीजफायर की घोषणा के तुरंत बाद ईरान ने अपने कई विमान पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस भेजे थे। इन विमानों में एक टोही और खुफिया विमान भी शामिल था। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि ईरान ने अपने कुछ नागरिक विमानों को सुरक्षा के लिए अफगानिस्तान में भी पार्क किया था। हालांकि पाकिस्तान की ओर से इन आरोपों को खारिज किया गया है। एक वरिष्ठ पाकिस्तानी अधिकारी ने कहा कि नूर खान एयरबेस शहर के बीच स्थित है और वहां बड़ी संख्या में विमानों को छिपाना संभव नहीं है। इसके बावजूद इस रिपोर्ट ने अमेरिका और पाकिस्तान के रिश्तों को लेकर नई बहस छेड़ दी है। इस मामले पर अमेरिकी सीनेटर और डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी लिंडसे ग्राहम ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि यदि ये रिपोर्ट सही साबित होती है, तो अमेरिका को पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका पर दोबारा विचार करना होगा। ग्राहम ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के कुछ रक्षा अधिकारियों के पुराने बयानों को देखते हुए उन्हें इस खबर पर हैरानी नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ये आरोप सही पाए गए, तो इससे अमेरिका–पाकिस्तान संबंधों में तनाव और बढ़ सकता है तथा मिडिल ईस्ट की स्थिति और जटिल हो सकती है।

19 राज्यों में आंधी–बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश भर में मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 12 मई को उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली समेत 19 राज्यों में तेज बारिश, आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। कई इलाकों में 80 से 85 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है।

राजधानी दिल्ली में गरज–चमक के साथ बारिश और तेज हवाओं को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, नई दिल्ली, दक्षिण दिल्ली, पश्चिम दिल्ली और अन्य कई जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जो 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भी बारिश और तेज आंधी की संभावना जताई गई है।

वहीं बिहार में मौसम का असर अधिक गंभीर रहने की आशंका है। पश्चिमी चंपारण, गया, दरभंगा, पूर्णिया और किशनगंज समेत कई जिलों में तेज बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू–कश्मीर, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भी खराब मौसम का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है।

कुत्ते की मौत पर हंगामा, गार्ड और महिला एक्टिविस्ट पर केस दर्ज

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के कीर्ति नगर इलाके में कुत्ते की मौत को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। इस मामले में पुलिस ने सिक्योरिटी गार्ड और एनिमल एक्टिविस्ट महिला, दोनों पक्षों पर अलग–अलग केस दर्ज किए हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, 7 मई की शाम जे–ब्लॉक, कीर्ति नगर में गार्ड विनोद पासवान पर आरोप लगा कि उसने लोहे की रॉड से एक आवारा कुत्ते को पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान कुत्ते की मौत हो गई। घटना के बाद एनिमल एक्टिविस्ट जस्मीत कौर ने पुलिस के सामने ही गार्ड की कथित तौर पर पिटाई कर दी। इसके बाद गार्ड ने भी महिला और अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने गार्ड का मेडिकल परीक्षण भी कराया है। पुलिस ने गार्ड के खिलाफ पशु क्रूरता का मामला दर्ज किया है, जबकि महिला एक्टिविस्ट पर मारपीट और धमकी देने की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। दोनों मामलों की जांच जारी है।

जम्मू–कश्मीर में शराब नीति पर बढ़ा विवाद

उमर अब्दुल्ला पर पार्टी के चुनावी वादों से पीछे हटने का आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर में शराब की दुकानों को लेकर सियासी विवाद गहरा गया है। इस मुद्दे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर भी मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। बारामूला से सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर पार्टी के चुनावी वादों से पीछे हटने का आरोप लगाया है।

मेहदी ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस ने लोगों से वादा किया था कि जिन क्षेत्रों में शराब की दुकानें खोली गई हैं, उन्हें बंद किया जाएगा। लेकिन अब मुख्यमंत्री का रुख बदला हुआ नजर आ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री के बयान को "अहंकार से भरा" बताते हुए कहा कि सवाल उठाने वालों के प्रति उनका रवैया उचित नहीं है। सांसद ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने विरोध करने वालों को अपमानजनक शब्दों से संबोधित किया, जो पार्टी की मूल सोच और कश्मीरी समाज की भावनाओं के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि इस तरह की भाषा से जनता में गलत संदेश जा रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सरकार की नीति का बचाव करते हुए कहा कि सरकार शराब को बढ़ावा नहीं दे रही, बल्कि गैर–मुस्लिम समुदाय और अनुमति प्राप्त लोगों के लिए व्यवस्था बनाए रख रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नई शराब दुकानें नहीं खोली गई हैं और युवाओं को इससे दूर रखने के लिए सावधानी बरती जा रही है।

मॉडिफाइड साइलेंसर वालों पर चला प्रशासन का चाबुक

159 वाहनों की जांच, 31 पर कार्रवाई, 5 बाइक सीज व 4 ओवरलोड वाहन निरुद्ध

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के अनुसार मंगलवार को जनपद में मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान परिवहन विभाग के प्रवर्तन अधिकारियों ने शहर में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण और नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की। वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश राजपूत, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सत्येन्द्र कुमार सिंह एवं पूजा सिंह, यात्री/मालकर अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने विशेष रूप से बुलेट समेत दोपहिया वाहनों में लगाए गए मानक के विपरीत मॉडिफाइड साइलेंसरों की जांच की। अभियान के दौरान 159 वाहनों की जांच की गई, जिसमें 14 मॉडिफाइड साइलेंसर लगे दोपहिया वाहनों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। इनमें से 5 मोटरसाइकिलों को थाना जैत, रिफाइनरी, हाईवे और राया क्षेत्र में निरुद्ध किया गया। साथ ही मोटर वाहन अधिनियम की धारा–52 के उल्लंघन के कारण संबंधित वाहनों का पंजीकरण भी निलंबित कर दिया गया। इसके अलावा प्रतिबंधित प्रेशर हॉर्न का उपयोग करने वाले 17 वाहनों के विरुद्ध भी चालान की कार्रवाई की गई। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने सड़कों को क्षतिग्रस्त करने और दुर्घटनाओं का कारण बनने वाले ओवरलोड वाहनों पर भी सख्त कार्रवाई करते हुए चार ओवरलोड वाहनों को पकड़कर राया यार्ड में निरुद्ध कराया। वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) ने वाहन स्वामियों से कहा कि किसी भी स्थिति में वाहनों में मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न का प्रयोग न करें। नियमों का उल्लंघन करने पर वाहन चालक पर 10 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही वाहन का पंजीकरण निलंबित अथवा निरस्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

लक्ष्मण शहीद स्मारक में बने जज के कार्यालय में लगी आग

यूनिक समय, वृंदावन। स्थानीय शहीद लक्ष्मण स्मारक परिसर स्थित हाई पावर्ड कमेटी के सदस्य व सेवानिवृत्त जज मुकेश मिश्रा के कार्यालय में मंगलवार की सुबह आग लग गई। आग का कारण एयर कंडीशनर में शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। सुबह कार्यालय से धुआं उठता देख परिसर में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए निजी संसाधनों से बचाव कार्य शुरू किया और सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई। संयुक्त प्रयासों से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है, हालांकि कार्यालय के उपकरणों को नुकसान पहुंचा है।

नगर निगम की बड़ी कार्रवाई 42 किलो पॉलीथिन जब्त

नगर निगम टीम पॉलीथिन को रोकने के लिए अभियान चलाती हुई।

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम मथुरा–वृंदावन द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ सघन अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की गई। नगर आयुक्त के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान के तहत पिछले तीन दिनों में औरंगाबाद जोन क्षेत्र में 42 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई, जबकि 26 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। अभियान के दौरान टीम ने टाउनशिप चौराहा, मंडी चौराहा समेत विभिन्न क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान दुकानों और प्रतिष्ठानों से लगभग 42 किलोग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक बरामद की गई, जिसे तत्काल जब्त किया। साथ ही संबंधित लोगों से मौके पर ही 26 हजार रुपये का अर्थदंड वसूला गया। यह कार्रवाई नगर निगम अधिकारी कल्पना सिंह चौहान के नेतृत्व में संपन्न कराई गई। अभियान में ईटीएफ टीम के साथ टीम लीडर विजय वीर सिंह, राजेश कुमार एवं नगर निगम के अन्य कर्मचारियों के द्वारा की गई। उन्होंने कहा कि दुकानदारों और आम नागरिकों कहा कि पॉलीथिन को पूरी तहर बंद करनी चाहिए। कपड़े, कागज और अन्य पर्यावरण अनुकूल विकल्पों का प्रयोग करें।

गुरुनानक नगर के लोग पाइप लाइन कार्य को लेकर नगर आयुक्त से मिले

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गुरु नानक नगर रेजिडेट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश चंद खंडेलवाल की अगुवाई में गुरु नानक नगर कालोनी के प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम के नगर आयुक्त जगप्रवेश से मुलाकात की ज्ञापन दिया।

ज्ञापन के माध्यम से गुरु नानक नगर से भैंस बहोरा तक प्रस्तावित ड्रेनेज पाइप लाइन कार्य की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया। प्रस्तावित पाइप लाइन कहां से कहां तक डाली जाएगी। प्रस्तावित पाइप लाइन किस प्रकार डाली जाएगी।

क्या पाइप लाइन वर्तमान नाले के भीतर डाली जाएगी अथवा इसके लिए अलग से नई ट्रेंच (खाई) बनाई जाएगी। न्यू बस स्टेंड के स्टार्म वाटर निकासी के लिए पृथक ड्रेनेज लाइन बनाई जाए तथा उसका जल किसी भी स्थिति में गुरु नानक नगर कालोनी की प्रस्तावित ड्रेनेज लाइन अथवा कालोनी क्षेत्र से होकर न निकाला जाए।

नगर निगम के नगर आयुक्त जगप्रवेश से मुलाकात करते गुरु नानक नगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश खंडेलवाल के साथ पदाधिकारी।

ज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए नगर आयुक्त ने आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों को नगर निगम के जीएम जलकल से संपर्क करने के निर्देश दिए। ज्ञापन देने वालों में अजय शर्मा, जुगल श्रीवास्तव, हरपाल भाटिया एवं अखिलेश चंद्र चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना में 25 लाख रुपये जारी

वीसीआर से नगला कुंतल मार्ग के निर्माण कार्य को मिलेगी गति

यूनिक समय, मथुरा। वर्षों से धूल, गड्ढों और टूटी सड़क की मार झेल रहे विकास खंड मथुरा की ग्राम पंचायत बसौती के नगला कुंतल के लोगों के लिए राहत भरी खबर आई है। मुख्यमंत्री ग्राम योजनांतर्गत मथुरा जिले में वीसीआर से ग्राम पंचायत बसौती में नगला कुंतल मार्ग के नव निर्माण कार्य के लिए शासन ने 25 लाख रुपये की धनराशि जारी कर दी है। संयुक्त सचिव सोमनाथ ने लोक निर्माण विभाग को भेजे गए निर्देशों में साफ कहा है कि सड़क निर्माण तय मानकों और गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जाए।

ग्रामीण इलाकों में सड़क केवल रास्ता नहीं बल्कि रोजगार, शिक्षा, इलाज और बाजार तक पहुंच की जीवनरेखा मानी जाती है। नगला कुंतल मार्ग लंबे समय से बदहाल स्थिति में था। बारिश के दिनों में कीचड़ और जलभराव से हालात और खराब हो जाते थे। स्कूली बच्चों, किसानों और मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती थी। अब बजट जारी होने के बाद इलाके में सड़क निर्माण की उम्मीद तेज हो गई है।

इस मार्ग की कुल स्वीकृत लागत करीब 64.78 लाख रुपये है, जिसमें पहले भी करीब 18 लाख की धनराशि आवंटित की जा चुकी है। वित्तीय वर्ष 2026–27 में शेष कार्यों को गति देने के लिए 25 लाख रुपये जारी किए गए हैं। इस निर्माण कार्य की गुणवत्ता, फोटो और उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। वहीं बसौती के ग्रामीण पप्पू, देवदत्त, मनोज आदि का कहना है कि सड़क पर गिट्टी बिछ चुकी है डामर बिछना और पटरी सुदृढ़ीकरण का काम होना बाकी है सड़क बन जाने से गांव की तस्वीर बदल सकती है। किसानों को मंडी तक पहुंच आसान होगी, बच्चों का स्कूल जाना सुरक्षित बनेगा और एंबुलेंस जैसी जरूरी सेवाएं समय पर गांव तक पहुंच सकेंगी। मथुरा के गाँव, देहात में यह सड़क परियोजना अब लोगों के लिए नई उम्मीद बनकर उभरी है।

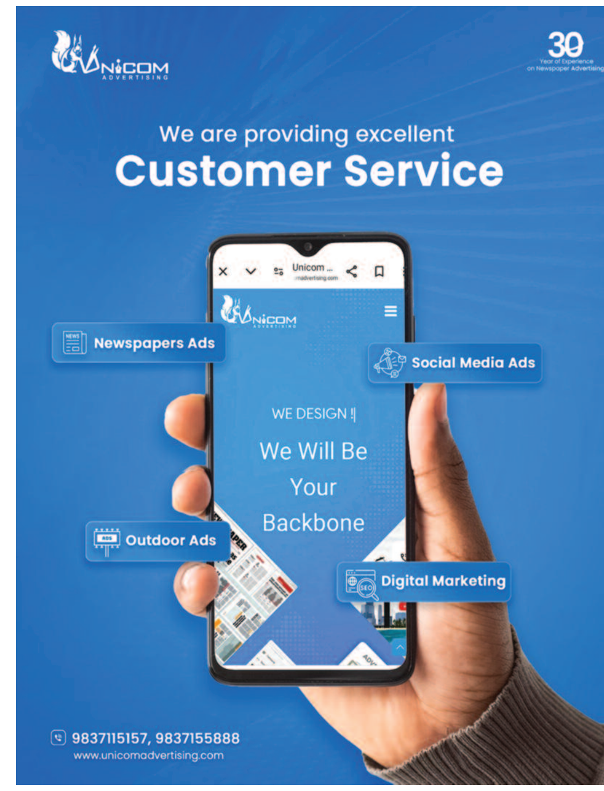

करणी सेना की बैठक में बोले राष्ट्रीय अध्यक्ष..

युवाओं को संगठन से जोड़कर मजबूती से आवाज उठाएं

वृंदावन में हुई करणी सेना की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल अंबूजी एवं ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नवीन चौधरी आदि पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। करणी सेना की बैठक में आगरा, अलीगढ़, हाथरस एवं मथुरा क्षेत्र में संगठन की मजबूती, विस्तार और आगामी कार्ययोजना को लेकर चिंतन–मंथन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल अंबूजी ने कहा कि संगठन समाज के सम्मान, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

उन्होंने संगठन के विस्तार के लिए गांव–गांव तक पहुंच बनाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुंवर दिग्विजय सिंह ने कहा कि संगठन की शक्ति उसकी एकजुटता में निहित है। महानगर अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि मथुरा–वृंदावन क्षेत्र में संगठन को और अधिक सक्रिय बनाया जाएगा।

ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नवीन चौधरी ने कहा कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर संगठन आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम का समापन संगठन की मजबूती और समाज सेवा के संकल्प के साथ हुआ।

इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौरव चौहान, भारती सिसोदिया, जिलाध्यक्ष संजय सिंह, ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष आशीष चौहान, किसान शक्ति अध्यक्ष वीरू भदोरिया, प्रदेश उपाध्यक्ष जगमोहन मालवीय, जिला संगठन मंत्री कार्तिक सिसोदिया, प्रवक्ता राहुल सिंह, छात्र शक्ति अध्यक्ष जय सिंह, महिला शक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष विदुषी सिंह, राजश्री तोमर एवं अरविंद राणा आदि उपस्थित थे।

पुलिस की गिरफ्त में आया 25 हजार का इनामी

हत्या के लिए किया था 2009 में अपहरण

यूनिक समय, मथुरा। थाना सुरीर पुलिस ने अलीगढ़ जनपद से 25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तेहरा अंडर पास के समीप से वाहन चेकिंग के दौरान अभियुक्त लक्ष्मण उर्फ बड्डो पुत्र लाल सिंह निवासी टपुआ थाना सोने का बुर्ज जिल धौलपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि उसने वर्ष 2009 में अलीगढ़ के खैर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति का हत्या के लिए अपहरण किया था। अभियुक्त 2009 से ही वांछित चल रहा था। अलीगढ़ पुलिस की ओर से इसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

14 मई को स्वगणना कराने के निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। भारत की जनगणना–2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के तहत स्वगणना को लेकर जिला प्रशासन ने निर्देश जारी किए हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने जनपद के समस्त परिषदीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त एवं राजकीय विद्यालयों तथा कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों को 14 मई तक स्वगणना पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को विकास खंडों में संचालित विद्यालयों एवं कार्यालयों में निर्धारित तिथि तक स्वगणना सुनिश्चित कराने को कहा गया है।